तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 36 अंक 156 | कोरबा, शनिवार, दिनांक 08 मार्च 2025 डाक 09 मार्च 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
कोलकाता के जादवपुर इलाके में राज्य सरकार और छात्रों पर कथित हमले के खिलाफ रैली में छात्र और नागरिक भाग लेते हुए

देश-विदेश
बांग्लादेश में प्रतिबंधित आतंकी संगठन ने निकाली रैली, पुलिस के साथ हुई झड़प, लोगों में दहशत

कोरिया जिला
कोयला खदान के मेहनती कामों में अद्वितीय योगदान दे रही महिलाएं

टोरंटो के पब में ताबड़तोड़ फायरिंग, 11 लोग घायल, हमलावर की तलाश में जुटी पुलिस

टोरंटो, 08 मार्च [एजेंसी]।

कनाडा के टोरंटो में कल रात एक पब में हुई गोलीबारी में 11 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह घटना प्रोग्रेस एवेन्यू और कॉर्पोरेट ड्राइव के पास रात करीब 10.30 बजे घटी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी घटनास्थल से फरार हो गया। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पुलिस अधिकारी ने अभी तक इस बात की जानकारी नहीं दी है कि आखिर आरोपी का उद्देश्य क्या था। वहीं, गोलीबारी के लिए किस हथियार का इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने घटनास्थल के नजदीक रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है।

हरिद्वार पहुंचे मेजर रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता, तलाश कर रही पुलिस और आर्मी

हरिद्वार 08 मार्च। हरियाणा के पलवल से अपने परिवार के साथ गंगा स्नान के लिए हरिद्वार पहुंचे आर्मी के एक मेजर रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हो गए। हरिद्वार पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। साथ ही आर्मी की एक टीम भी हरिद्वार पहुंच गई है। फिलहाल, हरकी पैड़ी क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पलवल हरियाणा निवासी मेजर रोहिताश अपनी पत्नी और बच्चों के साथ गंगा स्नान के लिए हरिद्वार आए थे। यहां अचानक मेजर रोहिताश लापता हो गए। पत्नी और बच्चों ने पहले अपने स्तर से मेजर की तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद परिवार और आर्मी स्टाफ को सूचना दी गई। सुबह परिवार के अन्य सदस्य और आर्मी की एक टीम हरिद्वार पहुंची और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल को पूरे मामले की जानकारी दी। जिसके बाद हरिद्वार पुलिस हरकत में आ गई। एक पुलिस टीम मेजर के परिवार और आर्मी स्टाफ को साथ लेकर पुलिस कंट्रोल रूम में हरकी पैड़ी क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे चेक कर रही है।

चेस खिलाड़ी से लेकर स्पेस साइंटिस्ट तक... महिला दिवस पर इन महिलाओं ने संभाला पीएम मोदी का सोशल मीडिया अकाउंट

नईदिल्ली, 08 मार्च [एजेंसी]।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर देश की जानी मानी महिलाओं ने पीएम मोदी का सोशल मीडिया अकाउंट संभाला। इसमें भारतीय चेस ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू और साइंटिस्ट एलिना मिश्रा और शिल्पी सोनी शामिल रहीं। शनिवार को इन महिलाओं ने पीएम मोदी के एक्स हैंडल की जिम्मेदारी संभाली। यह पीएम के उस वादे का हिस्सा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि विमेंस डे पर उनके सोशल मीडिया अकाउंट को उन महिलाओं द्वारा संचालित किया जाएगा जो विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। वैशाली ने पीएम के एक्स हैंडल से पोस्ट करते हुए कहा कि वह इस मौके से रोमांचित हैं और देश का प्रतिनिधिनित्व करने पर गर्व महसूस कर रही हैं। पीएम के सोशल मीडिया हैंडल से पोस्ट करते हुए वैशाली ने लिखा, वणक्कम! मैं वैशाली हूं और मुझे बेहद खुशी हो रही है कि मैं हमारे पीएम नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया हैंडल को संभाल रही हूं, वो भी महिला दिवस पर। जैसा कि आप में से कई लोग जानते हैं, मैं शतरंज खेलती हूं और मुझे अपने प्यारे देश का कई टूर्नामेंट्स में प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। ओडिशा की रहने वाली एलिना मिश्रा और सोनी ने भी अपने संदेश साझा किए। दोनों ने कहा कि भारत विज्ञान के लिए सबसे जीवंत स्थान है, और उन्होंने अधिक से अधिक महिलाओं से इसे अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने अपील की कि भारतीय महिलाओं में प्रतिभा है और भारत के पास सही मंच है, इसका लाभ उठाएं। उन्होंने लिखा, हम दोनों, एलिना और शिल्पी अपने-अपने क्षेत्रों में अवसरों की व्यापक सीरीज को खुलते हुए देख रहे हैं। यह अकल्पनीय था कि परमाणु प्रौद्योगिकी जैसा क्षेत्र भारत में महिलाओं के लिए इतने सारे अवसर प्रदान करेगा। इसी तरह, अंतरिक्ष की दुनिया में महिलाओं और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी भारत को नवाचार और विकास के लिए सबसे अधिक आकर्षक स्थान बनाती है! भारतीय महिलाओं में निश्चित रूप से प्रतिभा है और भारत के पास निश्चित रूप से सही मंच है।

कर्नाटक में दरिंदगी, इजरायली पर्यटक और होमस्टे मालिक के साथ गैंगरेप, साथी की हत्या

बेंगलुरु 08 मार्च। कर्नाटक में गुरुवार रात देश को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। यहां तीन लोगों ने कथित तौर पर दो महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया। इनमें एक 27 वर्षीय इजरायली पर्यटक और एक होमस्टे संचालक है। यह घटना तब हुई जब वे तीन अन्य यात्रियों के साथ टेक हब बेंगलुरु से लगभग 350 किलोमीटर दूर कोप्पल में एक नहर के शांत किनारे पर तारों को निहार रही थीं। आरोपियों ने महिलाओं को निशाना बनाने से पहले तीन यात्रियों को नहर में धकेल दिया। जबकि अमेरिका के डेनियल और महाराष्ट्र के पंकज तैरकर बाहर निकलने में कामयाब रहे, ओडिशा के बिबाश डूब गए। उनका शव शनिवार सुबह बरामद किया गया।

एनटीपीसी के डीजीएम की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

इलाके में मचा हड़कंप, प्रशासन पर भी उठ रहे सवाल

हजारीबाग। एनटीपीसी कोयला परियोजना केरेडारी के डीजीएम कुमार गौरव की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। कुमार गौरव कोयला डिस्पैच डिपार्टमेंट के डीजीएम थे। उनकी हत्या की खबर मिलने के बाद पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह हजारीबाग स्थित अपने घर से अपने कार्यालय जाने के लिए कंपनी के वाहन से रवाना हुए थे। इसी दौरान कटकमदाग थाना क्षेत्र के फतहा चौक के पास बाइक से अपराधियों ने उनके वाहन को ओवरटेक करते हुए उन पर गोली चला दी। आनन फानन में उन्हें आरोग्य अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है। बताया जाता है कि कुमार गौरव नालंदा बिहार के रहने वाले थे। एनटीपीसी पदाधिकारी की हत्या के बाद प्रशासन पर भी बड़ा सवाल है। इससे पहले भी आउटसोर्सिंग कंपनी के जीएम की हत्या लेवी के लिए अपराधी द्वारा की जा चुकी है। इसके तार भी लेवी से ही जोड़कर देखे जा रहे हैं। क्योंकि कुमार गौरव पर ही कोयला डिस्पैच की जिम्मेदारी थी।

भगोड़े ललित मोदी की भारत वापसी मुश्किल! सबसे सुरक्षित देश की नागरिकता ली, विदेश मंत्रालय का आया रिएक्शन

नईदिल्ली। पूर्व उद्योगपति और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी ने वनातु की नागरिकता हासिल कर ली है। इसका मतलब है कि ललित मोदी को स्वदेश लाना अब और मुश्किल हो गया है। इसको लेकर विदेश मंत्रालय का भी रिएक्शन सामने आया है। 15 वर्ष पहले भारतीय जांच एजेंसियों की आंखों में धूल झोंककर विदेश भाग चुके ललित मोदी ने न सिर्फ भारतीय नागरिकता छोड़ने का आवदेन भारत सरकार को भेजा है बल्कि प्रशांत महासागर में स्थित एक छोटे से द्वीपीय देश वनातु की नागरिकता भी ले ली है। यह बात भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्वीकार की है। भारत में आर्थिक अपराध करके विदेश जाने वाले अन्य उद्योगपतियों जैसे विजय माल्या, मेहुल चोकसी और नीरव मोदी को भी स्वदेश लाने की कोशिशों का अभी तक कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। अब विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ललित मोदी ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग के पास अपनी नागरिकता छोड़ने को लेकर आवेदन भेजा है। सरकार के कानून व नियमों के हिसाब से इस पर फैसला किया जाएगा। हमें यह भी पता चला है कि उसने वनातु की नागरिकता ले ली है, लेकिन हम भारतीय कानून के मुताबिक उसे स्वदेश लाने की कोशिश जारी रखेंगे।वनातु आस्ट्रेलिया के पूर्व में स्थित एक द्वीपीय देश है। यहां सिर्फ 1.30 लाख डालर निवेश करने पर नागरिकता ली जा सकती है।

महिला दिवस पर दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपये मिलने का इंतजार, आतिशी ने किया सवाल

नईदिल्ली, 08 मार्च [एजेंसी]।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली की महिलाओं को 2500 की आर्थिक सहायता देने की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। आतिशी ने सभी महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने वादा किया था कि 8 मार्च को दिल्ली की महिलाओं के बैंक खातों में 2500 की सहायता राशि जमा की जाएगी। उन्होंने यह

भी कहा था कि सभी महिलाएं अपने बैंक अकाउंट को मोबाइल नंबर से लिंक करा लें ताकि उन्हें तुरंत मैसेज प्राप्त हो सके। लेकिन 8 मार्च के दिन महिलाएं अपने फोन की स्क्रीन पर नजरें गड़ाए बैठी हैं, ताकि बैंक से पैसे जमा होने का मैसेज आ जाए। आतिशी ने कटाक्ष करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि मोदी जी की गारंटी जुमला नहीं निकलेगी और दिल्ली की लाखों महिलाओं को आज उनके खाते में 2500 आने की सूचना मिल जाएगी। गौरतलब है कि चुनाव में मिली हार के बाद से ही लगातार आम आदमी पार्टी अब भाजपा के किए गए वादों और दावों को लेकर लगातार आवाज उठा रही है। इसके अलावा लगातार अलग-अलग जगहों पर धरना प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी भाजपा के सभी दावों और वादों को पहले ही उनके जुमले बता चुकी है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि चुनावी वादे कभी भी पूरे नहीं होते और भाजपा के नेता जो कहते हैं वह नहीं करते। इस बार आम आदमी पार्टी ने निशाना केंद्र सरकार पर और प्रधानमंत्री मोदी पर साधा है। आप का कहना है कि भाजपा ने अपने घोषणा पत्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा में अपने भाषण के दौरान कहा था कि दिल्ली की सभी महिलाओं को 2500 की राशि उनके बैंक अकाउंट में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन पहुंच जाएगी।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथैरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथैरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

भगवान मौजूद हैं..., हार्वर्ड के वैज्ञानिक ने भी माना ईश्वर का अस्तित्व, इस फॉर्मूले से किया साबित

नईदिल्ली, 08 मार्च [एजेंसी]।

भगवान को लेकर दुनिया में दो मूलतः प्रकार की सोच रखने वाले लोग हैं। एक लोग आस्तिक यानी ईश्वरवादी होते हैं तो दूसरे नास्तिक यानी अनीश्वरवादी। नास्तिक विचारों वाले लोगों का तर्क होता है कि प्रमाण के साथ बताया जाए कि भगवान का अस्तित्व है। इसी बीच ईश्वर के अस्तित्व को लेकर हावर्ड खगोल भौतिक वैज्ञानिक और एयरोस्पेस इंजीनियर डॉ. विली सून ने चौंकाने वाला खुलासा किया है।उन्होंने दावा किया है कि एक गणितीय सूत्र भगवान के अस्तित्व का अंतिम प्रमाण हो सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मांड के रहस्य केवल तारों में ही नहीं, बल्कि गणित की बुनियाद में भी लिखे गए हो सकते हैं।उनके सिद्धांत का केंद्र फाइन ट्यूनिंग आर्गुमेंट है। आसान भाषा में कहें तो यह सिद्धांत सुझाव देता है ब्रह्मांड के भौतिक नियम इतने सटीक रूप से जीवन का समर्थन करने के लिए कैलिब्रेट किए गए हैं कि यह संयोग से नहीं हो सकता।

सांड ने ली बुजुर्ग की जान, एक घायल भी, अचानक से मच गई अफरातफरी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के बाहरी-उत्तरी इलाके अलीपुर में सांड के हमले में 67 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया. इस मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. वहीं घायल को अस्पताल में भर्ती कराया. पुलिस ने बताया कि सांड को बाद में नगर निगम की टीम ने पकड़ लिया. इस पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। मृतक की पहचान 67 वर्षीय अशोक कुमार के रूप में हुई है, जो नेहरू एन्क्लेव स्थित एक गोदाम में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत थे. वे ड्यूटी से घर लौट रहे थे, तभी अलीपुर-बुढ़पुर रोड पर उन पर सांड ने हमला कर दिया. इस हमले में अशोक कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई. इस दौरान 60 वर्षीय राम लखन भी सांड के हमले का शिकार हो गए. उन्होंने पुलिस को बताया कि सांड ने पहले अशोक कुमार पर हमला किया और फिर अचानक उनकी ओर आ गया. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची. पुलिस ने अलीपुर थाने में इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया. वहीं, नगर निगम की टीम ने सांड को पकड़ लिया. इस घटना के बाद स्थानीय लोग दहशत में आ गए। लोगों ने प्रशासन से आवारा पशुओं को पकड़े जाने की मांग की है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़कों पर घूमते सांड और अन्य पशु दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं, जिससे आम लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ती है।

महतारी वंदन योजना से महिलाएं बन रही हैं आत्मनिर्भर

घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने हुई सक्षम

कोरबा। छत्तीसगढ़ सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम उठाते हुए महतारी वंदन योजना प्रारंभ की गई है। प्रतिमाह एक हजार रुपए और साल में 12 हजार रूपए महिलाओं के खाते में अंतरित करने के साथ उन्हें आर्थिक मदद पहुंचाने की इस पहल से महिलाओं में एक अलग ही उत्साह का वातावरण है। उनका कहना है कि सरकार की इस योजना से हमें अब अपनी छोटी-छोटी जरूरतों में किसी के पास पैसा मांगने की आवश्यकता नहीं है। कोरबा जिले के ग्रामीण क्षेत्र कोनकोना की रहने वाली श्रीमती श्याम बाई ने बताया कि हमने सोचा भी नहीं था कि महिलाओं के लिए ऐसी योजनाएं संचालित होगी जिसमें हर माह एक-एक हजार रुपए की सहायता राशि प्राप्त होगी। हम महिलाएं गृहणी के तौर पर पूरा घर चलाती हैं और एक-एक रुपये की बचत कर थोड़े बहुत पैसे जमा कर पाती हैं। जिसका उपयोग अक्सर घर की जरूरी वस्तुओं के पूर्ति में हो जाता हैं। श्याम बाई ने बताया कि उनके पति खेती किसानी मजदूरी करते हैं, पति की आमदनी से ही परिवार का खर्च चलता है, लेकिन कोई बचत नहीं हो पाती है, जबकि समय-समय पर परिवार में पैसे की आवश्यकता पड़ती रहती है। पिछड़े परिवार के लोगों के लिए एक-एक रुपये का विशेष महत्व होता है। ऐसे में सरकार द्वारा माह में एक हजार रुपये और साल में 12 हजार रूपए की आर्थिक सहायता मिलने से महिलाओं को बहुत राहत मिल रही है। महतारी वंदन योजना लागू होने के बाद उसे भी अब हर महीने एक-एक हजार रूपए मिल रहे हैं। इससे उनकी बड़ी परेशानी दूर हो गई है।

इन पैसों से वे अपने घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाने में सक्षम हुई हैं। छोटी-मोटी जरूरतों के लिए किसी के सामने हाथ फैलाना नहीं पड़ रहा है। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के ग्राम मेशरा झरिया की रहने वाली तिरिथ बाई और घूर बाई ने बताया कि एक हजार रूपये जोड़ने के लिए उन्हें बहुत मशक्कत करना पड़ता था। वनांचल क्षेत्र में वनोपजों के संग्रहण से कुछ पैसा जरूर जोड़ लिया करते हैं लेकिन हर महीने पैसे की व्यवस्था महतारी वंदन योजना से हो जाती है। इस राशि से बीमारी के समय इलाज और घर के खर्च के लिए पैसे की व्यवस्था हो जाती है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना हमारे परिवार नहीं बल्कि ऐसे अन्य दूसरे परिवार के लोगों के लिए भी काफी अच्छी योजना है। इससे अनेक महिलाएं लाभान्वित होकर आर्थिक रूप से मजबूत बन रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पद हेतु आवेदन आमंत्रित

कोरबा । कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना कोरबा ग्रामीण अन्तर्गत दो पद कार्यकर्ता एवं 04 पद आंगनबाड़ी सहायिका के पद रिक्त है। पात्र एवं इच्छुक आवेदिकाएं आवेदन पत्र 10 मार्च से 25 मार्च तक कार्यालयीन दिवस में प्रात: 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना कोरबा ग्रामीण में जमा कर सकते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेक्टर कोरबा अंतर्गत ग्राम पंचायत कोरकोमा के आंगनबाड़ी केन्द्र अघरिया पारा एवं सेक्टर उरगा के ग्राम पंचायत खोड्डल के आंगनबाड़ी केन्द्र खोड्डल 01 में एक-एक पद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पद हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है। इसी तरह सेक्टर उरगा के ग्राम पंचायत उरगा के आंगनबाड़ी केन्द्र उरगा 01, सेक्टर अजगरबहार के ग्राम पंचायत सोनगुड़ा के आंगनबाड़ी केन्द्र सोनगुढ़ा 02, सेक्टर दोंदरो के ग्राम पंचायत बेला के आंगनबाड़ी केंद्र गहनिया और सेक्टर दोंदरो के ग्राम पंचायत बेला अन्तर्गत आंगनबाड़ी केंद्र दूधीटांगर में आंगनबाड़ी सहायिका के एक-एक पद हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है।रिक्त पद हेतु निर्धारित शर्तें, शैक्षणिक योग्यता संबंधी जानकारी एवं अन् जानकारी नियमावली कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना कोरबा ग्रामीण एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोरबा एवं संबंधित ग्राम पंचायत के सूचना पटल में अवलोकन किया जा सकता है।

कलेक्टर अजीत बसंत ने मौका स्थल पर भौतिक कब्जा नहीं होने पर 23 पट्टाधारियों का पट्टा किया निरस्त

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कलेक्टर न्यायालय में सुनवाई करते हुए मौका स्थल पर भौतिक कब्जा नहीं होने के कारण ग्राम टिमनभौना तहसील करतला जिला कोरबा स्थित शासकीय भूमि से प्राप्त 23 पट्टेधारियों का शासकीय पट्ट्टा को निरस्त किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम टिमनभौना तहसील करतला के ग्रामवासियों द्वारा पट्टा निरस्त किये जाने हेतु शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसे न्यायालय कलेक्टर कोरबा में प्रकरण दर्ज कर विधिवत जांचोपरांत न्यायालयीन कार्यवाही करते हुए मौका स्थल में भौतिक कब्जा नहीं होने के कारण ग्राम-टिमनभौना तहसील करतला स्थित क्रमश:ख0नं0 12/10 रकबा 0.676 हे0 भूमि पर उदयराम/पनिकाराम वगैरह, ख0नं0 12/21 रकबा 1.619 हे0 पर दयाराम/अवधराम वगैरह, ख0नं0 12/19 रकबा 1.214 हे0 सुमितदास/मंगलू, ख0नं0 12/4 रकबा 1.214 सुनादास/चिंतादा वगै. ख0नं0 12/15 रकबा 1.619 मानिकदास/घांसीदास, ख0नं0 12/6 रकबा 0.405 भुलखदास/टंगरादास वगै., ख0नं0 12/14 रकबा 1.619 बोधीराम/लोहार सिंह, ख0नं0 12/8 रकबा 1.619 नान्ही/सोनसाय, ख0नं0 12/9 रकबा 1.619 नेगीदास/उपितदास, ख0नं0 12/12 रकबा 1.619 घुरदास/डोकरी, ख0नं0 12/16 रकबा 1.214 भानूप्रताप/मोहितदास, ख0नं0 12/1/र रकबा 0.344 द्वारिका प्रसाद/सुखलाल दास, ख0नं0 264/11 रकबा 1.214 ठाकुरदास/समारूदास, ख0 नं0 264/23 रकबा 1.214 दयासमीर/बालगीर, ख0 नं0 264/15 रकबा 1.214 भागूदास/शोभादास, ख0 नं0 264/13 रकबा 0.809 मोहरसिंह/समारू, ख0नं0 264/18 रकबा 1.214 रजमत/चमरू, ख0नं0 264/24 रकबा 1.286 श्यामगिरी/बालगिरी, ख0नं0 264/22 रकबा 0.809 सुकृतदास/समारूदास, ख0नं0 264/25 रकबा 1.214 अर्जुनदास/होरा दास, ख0 नं0 264/17 रकबा 1.214 मयादास/तिहारूदास, ख0 नं0 264/14 रकबा 1.214 नंदलाल/उपितदास और खसरा नंबर 264/12 रकबा 1.214 पर दयादास/तिहारू दास को प्राप्त शासकीय पट्टा को न्यायालय कलेक्टर कोरबा द्वारा निरस्त किया गया है।

वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री के अथक प्रयासों से जिले में बिछेगा सड़कों का जाल

कोरबा । कोरबा जिले में विकाश की गंगा बहाने के क्रम में प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री सह कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन के सशक्त अथक प्रयासों से जिले में 150 से अधिक सड़क परियोजना, सिंचाई परियोजना, गौरव पथ, अंडरब्रिज, बायपास सड़क, नालों के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए बजट में स्वीकृति मिली है। बताया जा रहा हैं की भाजपा सरकार में बीते लगभग सवा साल में कोरबा शहर के साथ-साथ जिले के सभी उपनगरीय व अन्य ग्रामीण इलाकों में विकास कार्य को गति मिली है।

3 मार्च को प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा जारी किए गए राज्य के बजट में कोरबा जिले के लिये महत्वपूर्ण गोपालपुर से कटघोरा फोरलेन सड़क, कटघोरा से दीपका फोरलेन सड़क, गोपालपुर से कटघोरा तक मार्ग मजबूतीकरण का कार्य, चोटिया से चिरमिरी तक फोरलेन सड़क, ध्यानचंद चौक कोरबा से बजरंग चौक तक 2 लेन सड़क निर्माण, बजरंग चौक से परसाभाठा चौक बालको रिंग रोड, कोरबा 4 लेन निर्माण कार्य, रेलवे स्टेशन कोरबा से गौमाता चौक तक बायपास मार्ग का निर्माण, एसपी ऑफिस से रजगामार बीटी रोड निर्माण कार्य, नॉनबिर्रा रामपुर बेहरचवा 27 किलोमीटर का उन्नयन के कार्य की स्वीकृति मिली है।

बजट में जिले के कई मार्गो पर रेलवे क्रासिंग में अंडरब्रिज के निर्माण की स्वीकृति मिली है। जिसमे शहर के मध्य संजय नगर रेलवे क्रासिंग पर अंडरब्रिज का निर्माण अब प्रारंभ हो चुका है। कोरबा-गेवरा रेल लाइन के बालपुर रेलवे क्रासिंग पर आरयूबी का निर्माण, कोरबा-गेवरा रेल लाइन के मड़वारानी रेलवे क्रासिंग पर आरयूबी का निर्माण, कोरबा-गेवरा रेल लाइन के पताडी पर आरयूबी के निर्माण की स्वीकृति मिली है।

कोरबा शहर के चार प्रमुख नालों के निर्माण के लिए नगरीय निकाय अधोसंरचना विकास के तहत स्वीकृति मिली है। इसमें पोड़ीबहार चर्च से हनुमान मंदिर तक आरसीसी नाला 2 करोड़, वार्ड क्रमांक 30 दादर रोड कलवर्ट से मानिकपुर मुक्तिधाम तक कलवर्ट व नाला निर्माण 2 करोड़, मेनन शॉप से जिला अस्पताल के सामने आरसीसी नाला 2 करोड़, दर्री जोन पीएमवाय साइट से लाटा तालाब आरसीसी नाला निर्माण 2 करोड़ की स्वीकृति मिली है। कोरबा-रानीरोड-सर्वमंगला मंदिर के मध्य हसदेव नदी पर रपटा कम लो लेवल पुल व पहुंच मार्ग का निर्माण, बालको-उरगा रिंगरोड ढेगूरनाला पर उच्च स्तरीय पुल व पहुंच मार्ग का निर्माण, बेलाकछर से रोगबहरी मार्ग पर सारबहरा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग, बड़गाँव नवापारा मार्ग पर चोरनई नदी में उच्च स्तरीय पुल समेत कुल 17 पुल निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है। कोरबा शहर में 2.8 किलोमीटर लंबे गौरव पथ के निर्माण की स्वीकृति मिली है। सीएसईबी चौक से जैन चौक-तानसेन चौक से कोसाबाड़ी चौक तक गौरव पथ का निर्माण होगा। वीआईपी मार्ग पर वाहनों के दबाव को देखते हुए इस मार्ग का कायाकल्प किया जायगा। कोरबा जिला के दूसरे सबसे बड़े नगरीय निकाय बांकीमोंगरा नगर पालिका में पेयजल की समस्या लंबे समय से है। बांकीमोंगरा के जल आवर्धन के लिए 8.20 करोड़ की स्वीकृति मिली है।

ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरूष के पद पर भर्ती हेतु पात्र-अपात्र की सूची जारी

कोरबा। जिला खनिज न्यास मद से ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरूष के पद पर भर्ती हेतु विज्ञापित पद पर प्राप्त आवेदन के आधार पर उक्त पद की अभ्यार्थियों की पात्र-अपात्र की सूची कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा के सूचना पटल पर चस्पा तथा जिले की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट कोरबा डाट जीओव्ही डाट इन में सर्वसंबंधितों के अवलोकनार्थ एवं दावा आपत्ति हेतु अपलोड कर दिया गया है। सूची के समस्त कॉलमों का उम्मीदवारा द्वारा सूक्ष्म अवलोकन कर दावा आपत्ति 21 माच 2025 शाम बजे तक मय आवश्यक दस्तावेज सहित कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात किसी भी प्रकार का दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किया जायेगा। निर्धारित तिथि तक प्राप्त दावा आपत्ति का नियमानुसार निराकरण कर पृथक से दावा आपत्ति निराकरण सूची एवं पात्र सूची कार्यालयीन सूचना पटल पर चस्पा तथा वेबसाईट पर अपलोड किया जायेगा।

हाईस्कूल गणित विषय का परीक्षा हुआ संपन्न

कोरबा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा संचालित परीक्षा वर्ष 2025 के अंतर्गत 07 मार्च 2025 को हाई स्कूल के गणित विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई। परीक्षा हेतु बच्चों की दर्ज संख्या 13 हजार 172 उपस्थित 12 हजार 772 एवं अनुपस्थित बच्चों की संख्या 400 थी। हाई स्कूल परीक्षा हेतु गठित जिला स्तरीय निरीक्षण दल क्र. 1 द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोरकोमा, सेजेस करतला, शा.उ.मा.वि. बोतली ,बेहरचुंवा, रामपुर, दल क्र. 2. द्वारा सेजेस कुसमुंडा, सरस्वती कुसमुंडा,शा.उ.मा.वि. भिलाईबाजार, शा.उ.मा.वि. हरदीबाजार, सेजेस हरदीबाजार, सेजेस उतरदा, शा.उ.मा.वि. बोईदा, दल क्र. 3 द्वारा सेजेस ढेलवाडीह, सेजेस अरदा, सेजेस जवाली, शा.उ.मा.वि. डोंगरी, दल क्र. 4 द्वारा सेजेस पोंड़ीउपरोड़ा, सेजेस गुरसिया, सेजेस लमना, सेजेस मोरगा कुल 25 परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। सभी परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्वक परीक्षा संचालित होना पाया गया एवं एक भी नकल प्रकरण प्राप्त नहीं हुआ।

साक्षी समिति ने कौशिल्या को सम्मानित किया

कोरबा। साक्षी सेवा समिति ने एक कार्यक्रम आयोजित कर कई लोगों को सम्मानित किया। श्रीमती कौशिल्या खुराना को इस कडी में साहित्य श्री सम्मान दिया गया। कुदमुरा हायर सेकंडरी स्कूल में परीक्षा सेंटर रहता था। श्यांग के बच्चे परीक्षा देने वहां जाते थे। पूरी परीक्षा के दौरान मेरी ड्यूटी लगाई जाती थी। बच्चों के साथ वहीं उनके रूम में रहतीं थी। मैंने छात्र जीवन से ही सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देती रही हैं। श्यांग जैसे बिहड़ क्षेत्र में इन्होंने बच्चों को गीत, नृत्य सिखाया और वार्षिकोत्सव करवाने में बच्चों की सहायता की।

8 वर्ष की सेवा उपरांत प्रमोशन से शिक्षा कर्मी ग्रेड-1 में प्रमोशन पाकर अरदा हायर सेकंडरी स्कूल में पदस्थ हुईं। यहां के नये वातावरण में भी अध्यापन कराती रहीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी बनने पर बच्चों को गीत, नृत्य, नाटक आदि सिखाया। यहीं से कलम से लेखनी प्रारंभ हुआ। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए गीत, कविता लिखकर प्रस्तुत करती रही है। शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए लगातार इनको जिला शिक्षा अधिकारी के हाथों सम्मानित हो चुकी हैं।भोपाल में कल्पना चावला स्मृति में नारी रत्न शिक्षक सम्मान 2021 प्राप्त हो चुका है। दिल्ली में यूथ वर्ल्ड संस्था से भारतीय गौरव अवार्ड 2021 प्राप्त हो चुका है।वक्ता मंच से श्रेष्ठ कलमकार सम्मान से सम्मानित हो चुकी है। इनकी साझा संकलन पुस्तकें निम्नानुसार है खूबसूरत लम्हें, सोनहा विहान (भाग 1, 2), अजर अमर सतनाम, सतनाम हमर पहिचान, इक्कीसवीं सदी के कलमकार, अग्निपथ के राही, मेरी कलम से, सरगम के मेले, अमृत उत्सव, पंखुड़ियां, एक मुस्कान, अहसास, माँ, माटी मोर मितान, साहित्य डायरी, यादों की शमा, कलम की अभिलाषा, मोर छत्तीसगढ़ महतारी, एक पैगाम तेरे नाम, इन्द्रधनुष, अक्षरांजलि, सृजन आदि हैं। अरदा स्कूल में 9 वीं से 12 वीं के बच्चों को लगनशीलता से पढ़ाना, कक्षा कार्य एवं गृह कार्य की जांच करना, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक मूल्यांकन लेना एवं जांचना, तिमाही, छमाही, वार्षिक परीक्षा लेना एवं जांचना। बच्चों के साथ वात्सल्यमय वातावरण निर्मित करते हुए अध्यापन कार्य कराना। अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए गाइडलाइन देना। प्रहलाद भगत ने 100 में 97 अंक प्राप्त किया है। खेलकूद प्रतियोगिता के लिए बच्चों को कटघोरा एवं कोरबा कोच बनकर ले जा चुकी हैं। विकासखंड स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए बच्चों को गीत, कविता, नृत्य सिखाया और लेकर गईं। वहां पर सामूहिक गीत, एकल नृत्य, कविता, आर्ट एंड क्राफ्ट, सामूहिक नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किए। स्कूल के प्रत्येक कार्यक्रम में इनका महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

मांगे अब तक अधूरी आंदोलन पर जाएगें कर्मचारी

कोरबा। अधिकारियों की अनदेखी के चलते वन विभाग में कार्यरत कर्मचारियो के हितों का नुकसान हो रहा है। छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ पिछले कई वर्षों से सरकार के समक्ष अपनी जायज़ मांगों को रखता आया है वन मंत्री जी के कर्मचारियों के प्रति सकारात्मकता किंतु लेकिन अधिकारी उनकी सुन नहीं रहे है। ताजा मामला लघु वनोपज संघ में उप वनक्षेत्रपाल के प्रतिनियुक्ति के पदों पर पदोन्नति में रोड़ा अटकाने का है। वन विभाग के अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों से छल करते हुए उप वनक्षेत्रपाल के प्रतिनियुक्ति के 180 पदों को समाप्त करके उनके स्थान पर 180 सहायक प्रबंधक के संविदा पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी। जिसका विरोध करते हुए छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ पिछली गर्मियों में हड़ताल में जाने हेतु बाध्य हुआ था। हड़ताल के दौरान वन मंत्री के साथ संगठन की बैठक में 90-90 पदों पर समझौता किया गया एवं हड़ताल समाप्त कराया गया था। वर्तमान में सरकार के अड़ियल अधिकारियों द्वारा उस समझौते का सम्मान न करते हुए पदोन्नति को प्रभावित किया जा रहा है साथ ही वनपाल का पद जो कि 100त्न पदोन्नति का पद है उसमें नियमों का संशोधन करके वनपाल के 33त्न पदों पर सीधी भर्ती करने हेतु शासन से अनुमति चाही गई है जिससे वन कर्मचारियों में बहुत ज्यादा आक्रोश देखा जा रही है। वन कर्मचारी अपनी वर्षों पुरानी मांग ग्रेड पे में सुधार एवं सेटअप की मांग बारंबार मांग करने के बाद भी पूर्ण नहीं होने से नाराज है।आक्रोशित कर्मचारी अपने संगठन के बैनर तले हड़ताल में जाने हेतु बाध्य है।

वन कर्मचारियों के हड़ताल में जाने से वनों ,वन्य प्राणियों एवं मानव जीवन को कितना नुकसान है इसका आंकलन करना संभव नहीं है। वर्तमान समय में फायर सीजन चल रहा है, जंगलों में आग लग रही है। जंगलों में होने वाली अग्नि घटनाओं को इन्हीं बहादुर वन कर्मियों द्वारा बिना किसी संसाधन के काबू किया जाता है बुझाया जाता है। बेजुबान वन्य जीवो के रक्षकों के जंगलों में न रहने से उनका अवैध शिकार बढ़ जाता है, अवैध कटाई, अवैध खनन,अवैध अतिक्रमण करने वालों की चांदी हो जाती है। प्रशासन के खोखले वादों से छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ के कर्मचारी अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे है तथा आंदोलन में जाने की तैयारी कर रहे है।

पीडीएस परिवहन कर्ता को 1.5 लाख की चपत लगी

कोरबा । शहर में दिनदहाड़े उठाईगिरी की घटना सामने आई है, जहां बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने कार का शीशा तोड़कर 1.5 लाख रुपये लेकर फरार हो गए. इस घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी हुई है.

यह पूरा मामला मानिकपुर क्षेत्र का है. जानकारी के अनुसार, तुलसी नगर निवासी पीडीएस ट्रांसपोर्टर शैलेंद्र शर्मा बुधवार को टीपी नगर स्थित आईडीबीआई बैंक से 2 लाख रुपये निकाला था. निहारिका स्थित परिसर में उसने एक व्यवसायी को 50,000 रुपये दिए, जबकि 1.5 लाख रुपये अपनी कार की ग्लव बॉक्स में रखा हुआ था. वहीं आज जैसे ही वह मानिकपुर चौकी क्षेत्र के बुधवारी मुख्य मार्ग पर पहुंचा, तभी बाइक सवार दो नकाबपोश युवक आए और पीडीएस ट्रांसपोर्टर के कार का शीशा दिया उसके बाद आरोपी डेढ़ लाख रुपये नगदी लेकर फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन, मानिकपुर और सीएसईबी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची. वहीं आरोपियों की पहचान के लिए घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं.

नई दिल्ली में अवंतिका नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड से नवाजे जाएंगे

कोरबा। शिक्षा के क्षेत्र में अपना सर्वस्व न्योछावर कर स्कूल एवं विद्यार्थियो के उज्जवल भविष्य के कार्य करना विद्यालय संचालक का परम दायित्व होता है। प्राचार्य जो अपने अनुभव एवं कार्य कुशलता से विद्यालय को तरक्की के राह पर ले जाता है। ऐसे ही ऊर्जावान एवं कर्मठ व्यक्तित्व के धनी डॉ. संजय गुप्ता जो कि वर्तमान में इंडस पब्लिक स्कूल में प्राचार्य के रूप में अपनी सेवा दे रहें। इस वर्ष अवंतिका ग्रुप आफ कंटेंपरेरी आर्टिस्ट्स एंड इंटेलेक्चुअल, विजुअल एंड इंस्ट्रूमेंटल द्वारा वर्ष 2025 में शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान ,समर्पण एवं विशिष्ट प्रबंधन के कार्य तथा कुशल संस्था का संचालन करने के लिए डॉक्टर संजय गुप्ता को अवंतिका नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड 2025 से सम्मानित किया जा रहा है। विगत 46 वर्षों से शिक्षा जगत को अपनी सेवा देते हुए डॉ. संजय गुप्ता (प्राचार्य-इंडस पब्लिक स्कूल दीपका) ने अपना सर्वस्व विद्यार्थियों के लिए समर्पित करते हुए इस मुकाम को हासिल किया है। डॉ. संजय गुप्ता को यह सम्मान 12 अप्रैल को हिंदी भवन,11, विष्णु दिगंबर मार्ग बाल भवन नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षाविद, लीडर, प्रोफेशनल,इनोवेटर्स जैसे ख्यातिलब्ध व नामचीन हस्ती मौजूद रहेंगे। सभी महान हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में इंडस पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉक्टर संजय गुप्ता को अवंतिका नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड 2025 से विशेष समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर अपनी अभिव्यक्ति जाहिर करते हुए डॉ. संजय गुप्ता ने कहा कि मैं अवंतिका ग्रुप एवं उसकी टीम को दिल से धन्यवाद देता हूं,जिन्होंने मुझे इस योग्य समझा। मेरे जीवन का एक ही उद्देश्य है कि मैं अंतिम सांस तक शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करता रहूंगा। विद्यालय का संचालन एवं बच्चों के भविष्य निर्माण हेतु अथवा नये आवाम तलाशना नि:संदेह काफी कठिन कार्य है। परंतु मैं अपनी पूरी निष्ठा एवं लगन से इस कार्य में लगा रहुँगा। मेरी जिंदगी का एक ही उद्देश्य है सीखना एवं सिखाना एवं विद्यार्थियों को सतत रूप से आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करना। आजीवन जनसामान्य हेतु तथा विद्यालय के बच्चों सहित कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी हेतु समर्पण भाव से कार्य करता रहूंगा।

डॉ. संजय गुप्ता के अवंतिका नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड प्राप्त होने पर इंडस विद्यालय परिवार अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा है। अवार्ड असाधारण सामाजिक कार्य ,शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान, भारतीय कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में योगदान सहित विभिन्न मापदंडों पर खडा उतरने पर दिया जाता है।

कोयला कामगारों का महंगाई भत्ता बढ़ा

कोरबा। कोयला कर्मियों के महंगाई भत्ते में पिछली तिमाही के मुकाबले 1.2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। 1 मार्च से 31 मई तक प्रति माह डीए की दर 21.3 प्रतिशत होगी। एक मार्च 2025 से 31 मई 2025 तक कोयला कर्मियों को 21.3 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता का भुगतान होगा।कोल इण्डिया लिमिटेड के महाप्रबंधक (श्रम शक्ति एवं औद्योगिक संबंध) ने शुक्रवार 7 मार्च को अधिसूचना जारी कर दी है।

एक मार्च 2025 से 31 मई 2025 तक की अवधि के लिए गैर-कार्यकारी संवर्ग के कर्मचारियों को वीडीए का भुगतान को लेकर 7 मार्च को कार्यालय ज्ञापन जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि परिवर्तनीय महंगाई भत्ता (वीडीए) त्रैमासिक रूप से संशोधित किया जाना है और इसका भुगतान प्रत्येक वर्ष 1 मार्च, 1 जून, 1 सितंबर और 1 दिसंबर को क्रमश: दिसंबर (अक्टूबर-दिसंबर), मार्च (जनवरी-मार्च), जून (अप्रैल-जून) और सितंबर (जुलाई-सितंबर) को समाप्त तिमाही के लिए एआईसीपीआई संख्या के औसत के आधार पर किया

कपिलेश्वरनाथ मंदिर में भागवत कथा 17 से

कोरबा। पंडित रविशंकर शुक्ल नगर कोरबा में 17 से 23 मार्च तक संगीतमय श्रीमद भागवत कथा अमृत गंगा प्रवाहित होगी। कपिलेश्वरनाथ महिला मंडल सेवा समिति एवं समस्त रविशंकर नगरवासियों द्वारा संगीतमय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें वृंदावन (मथुरा)से पधारे पंडित कृष्ण गौड़ शास्त्री ब्रजवासी जी अपने मुखार बिंद से श्रोताओं को भागवत कथा अमृत गंगा का रसपान कराएंगे । कार्यक्रमानुसार 17 मार्च को कलश यात्रा ,कथा महात्म्य के साथ कथा की शुरुआत होगी। द्वितीय दिवस दिन 18 मार्च को कुन्ती स्तुति ,भीष्म स्तुति श्री शुकदेव प्राकट्य की कथा का श्रवण कराया जाएगा। तृतीय दिवस 19 मार्च को ध्रुव चरित्र ,प्रहलाद चरित्र ,श्री नृसिंह अवतार की कथा का श्रोतागण रसपान करेंगे। चतुर्थ दिवस 20 मार्च को वामन अवतार ,श्री रामावतार ,श्री कृष्ण जन्मोत्सव होगा। पंचम दिवस 21 मार्च को बाल लीला ,गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग लगेगा। छठवें दिवस 22 मार्च को महारास कथा ,श्री कृष्ण रुक्मिणी विवाह उत्सव होगा। सातवें दिवस 23 मार्च को सुदामा चरित्र ,कुरुक्षेत्र में राधा-कृष्ण का मिलन ,भगवान शुकदेव विदाई एवं व्यास पूजन होगा। आठवें दिवस 24 मार्च को हवन ,पूर्णाहुति व प्रसाद वितरण के साथ पावन धार्मिक आयोजन का समापन होगा।

अविवादित नामांतरण, बटांकन, सीमांकन त्रुटि सुधार के प्रकरणों में प्रगति लायें : कलेक्टर

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तहसीलदारों को अविवादित नामान्तरण, बटांकन,,सीमांकन, के प्रकरणों में सात दिवस के भीतर प्रगति लाने और नक्शा बटांकन, त्रृटि सुधार के प्रकरणों में एक सप्ताह के भीतर पांच से दस प्रतिशत की वृद्धि लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने हिट एंड रन तथा आरबीसी 6-4 अंतर्गत प्रकरणों में सूक्ष्मता से जांच करने और समय पर पटवारी प्रतिवेदन, अंतिम जांच रिपोर्ट मंगाने के निर्देश देते हुए कहा कि पीड़ितो को समय-सीमा में लाभान्वित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने एसडीएम को संबंधित पुलिस अधिकारियों से समन्वय कर समय पर रिर्पोट मंगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कोटवारी भूमि के नामानतरण को निरस्त करते हुए शासन के रिकार्ड में दर्ज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सेतु विभाग, लेक निर्माण विभाग अंतर्गत भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर प्रभावितों को मुआवजा प्रदान करने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कृषकों के पंजीयन कार्य की तहसीलवार समीक्षा करते हुए अनेक तहसीलों में प्रगति नहीं दिखने पर नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देशित किया कि जिन तहसील की प्रगति अच्छी है वे तीन दिवस के भीतर और जिनकी प्रगति अच्छी नहीं है वे सात दिवस के भीतर कृषक पंजीयन के कार्य को समाप्त करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कृषक पंजीयन के कार्यों में आ रही व्यवधानों को तहसील स्तर पर निराकृत करने के निर्देश दिए।

राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि कोटवारी भूमि का ट्रांजेक्शन अवैध है और उसका नामान्तरण भी अवैध है। उन्होंने सिंगल ट्रांजेक्शन वाले ऐसे प्रकरणों की जांच करने और रिकार्ड नहीं मिलने पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अविवादित नामांतरण और बंटवारा के प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा करते हुए अविवादित नामांतरण और बंटवारा के मामलों का आवेदन दर्ज होने के बाद समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभारी अधिकारी को निर्देशित किया कि वे अधिक संख्या में लंबित प्रकरणों वाले तहसील को चिन्हित कर प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने की दिशा में कार्य करें। इसके साथ ही तहसीलदारों के निर्णय के विरूद्ध एसडीएम न्यायालय में अपील होने वाले प्रकरणों का भी परीक्षण के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने विवादित नामांतरण और बंटवारा, भूमि व्यपवर्तन ,खाता विभाजन, नक्शा बटांकन की जानकारी ली। उन्होंने सीमांकन के प्रकरणों को दर्ज करने और मिशन मोड में कार्य करते हुए दर्ज प्रकरणों का समय पर निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने डायवर्सन के प्रकरणों को लंबित नहीं रखने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने ई-कोर्ट अंतर्गत लंबित प्रकरणों पर हो रही कार्यवाही की समीक्षा की और लंबित प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने त्रृटि सुधार, डिजीटल सिग्नेचर, किसान किताब, आधार सीडिंग, मसाहती ग्राम, स्वामित्व योजना, वन अधिकार पट्टा वितरण सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनुपम तिवारी, मनोज कुमार, सभी एसडीएम, प्रभारी अधिकारी भू अभिलेख, अधीक्षक भू अभिलेख, सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

नेता प्रतिपक्ष चरणदास के जिले एवं जांजगीर चांपा में कांग्रेस की एक तरफा हार

जिला पंचायत एवं जनपद पंचायतो में बीजेपी तथा निर्दलीयों का कब्जा

नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस का हो रहा बेड़ा गर्ग

सीताराम नायक

जांजगीर चांपा। विधानसभा चुनाव के दौरान जांजगीर चांपा लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी ने जिस तरह एक तरफा जीत हासिल की थीं जिसके चलते जांजगीर चांपा लोकसभा के सभी 8 विधानसभा में कांग्रेस के विधायक चुनकर आए थे और बीजेपी का सूपड़ा साफ हो गया था लेकिन विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव, नगरी निकाय एवं पंचायत चुनाव में कांग्रेस की बुरी तरह हार हुई है प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरण दास महंत के नेतृत्व में पूरा चुनाव लड़ा गया लेकिन नेता प्रतिपक्ष के ही क्षेत्र में कांग्रेस की बुरी तरह हार हुई,और कांग्रेस पार्टी को पूरी तरह से पराजय का सामना करना पड़ा।अब जब जिले में बीजेपी के एक भी विधायक नहीं है बावजूद इसके जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत क्षेत्र से लेकर नगरी निकाय में बीजेपी ने अपना कब्जा जमा लिया है। इन 1 वर्षों में बीजेपी ने ऐसा क्या किया कि लोकतंत्र का हवा इसके पक्ष में हो गया है यह बीजेपी की ठोस रणनीति का नतीजा है या फिर प्रदेश के कांग्रेस नेताओं की राजनीतिक नेतृत्व के कमी है इसे कांग्रेस पार्टी को विचार करने की जरूरत है। अब तक देखा यह जाता रहा है की छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े कांग्रेस नेता डॉ.चरणदास महंत केवल सत्ता की राजनीति में अधिक रुचि लेते रहे हैं तथा जिन्हें संगठन को मजबूत करने का जरा भी अनुभव नहीं है नतीजा यह है कि उनके अपने विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से पराजय हो गई है जहां एक तरह से उनके घर माने जाने वाले नगर पंचायत बाराद्वार में भाजपा ने जीत दर्ज कर कब्जा की है तो वही सक्ति नगर पालिका परिषद में निर्दलीय प्रत्याशी ने चुनाव जीत कर कांग्रेस को

काफी पीछे छोड़ दिया है।

इस परिणाम से कांग्रेस पार्टी और उनके नेता की कमजोर नेतृत्व क्षमता होना उजागर हो गया है। क्षेत्रीय विधायक एवं नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरण दास महंत खुद प्रदेश के बड़े नेता होने के बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी को नगर पंचायत चुनाव में नहीं जीता पाए जिनके नेतृत्व के आगे एक अदना सा निर्दलीय प्रत्याशी ने चुनाव जीत कर उनको उनकी कद बता दी है।

लोकसभा के आठ विधानसभा में कांग्रेस के 8 विधायक होने के बाद अपने विधानसभा क्षेत्र मे लाज नहीं बचा पाए यह कमजोर नेतृत्व का ही परिणाम है। कांग्रेस पार्टी में संगठनात्मक एकता नहीं होने के कारण निकाय एवं पंचायत चुनाव में कांग्रेस की बुरी तरह हार हुई। ज्यादातर जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी ने अपना प्रत्याशियों का नाम घोषित नहीं कर सकी । क्योंकि कांग्रेस पार्टी में एकता की कमी के कारण एक ही क्षेत्र से उनके अनेक नेता चुनाव लड़ रहे थे जिसके कारण पार्टी को प्रत्याशी घोषित करने में परेशानी हुई और यही हार का कारण भी बनते चले गया। क्योंकि संगठन का डंडा कांग्रेस पार्टी में चला होता तो यह दुर्गति देखने को नहीं मिलती। नतीजा बीजेपी को आसानी से वाक ओवर मिल गया।

इस जिले में निर्दलीयों से भी खराब स्थिति कांग्रेस पार्टी की है। नगरी निकाय एवं पंचायत चुनाव में भाजपा की जो जीत हुई है इससे कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह एवं जोश देखा जा रहा है। अब भाजपा इसी मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी और अपने कार्यकर्ताओं एवं जनता के बीच अपनी पकड़ बनाएगी। सरकार की योजना को लेकर हर घर तक पहुंचेगी,जिससे कांग्रेस का कमजोर होना तय है। नगरी निकाय एवं पंचायत चुनाव के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत के नेतृत्व जिले के विधायकों में एकजुटता दिखाई नहीं दिया. सब अलग-अलग दिखाई दिए, नेता प्रतिपक्ष ने भी अपने विधायकों को एकजुट करने में कोई दिलचस्पी नही दिखाई, न हीं कार्यकर्ताओं को एकत्र करने में अपनी ताकत लगाई, जिसके चलते पूरे जिले में कांग्रेस बिखरा हुआ नजर आया जिसका परिणाम निकाय एवं पंचायत चुनाव में दिखा।

सच कहा जाए तो डॉ.चरण दास महंत में नेता प्रतिपक्ष का गुण जरा भी नजर नहीं आता। जो नेता प्रतिपक्ष को मिलने वाली सुविधाओं का लाभ लेने के लिए इस पद पर आसीन हो गए हैं परंतु कांग्रेस पार्टी को इसका लाभ जरा भी नहीं मिल रहा है। उनके स्थान पर किसी अन्य नेता को अगर जिम्मेदारी दी जाए तो वह भाजपा सरकार की कारगुज़ारियों को प्रमुखता से जनता के बीच रख सकते हैं। जबकि नेता प्रतिपक्ष होने के बाद भी प्रदेश के बड़े-बड़े मुद्दों पर चरण दास महंत चुप नजर आते हैं।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना अंतर्गत आवेदन हेतु शासकीय पॉलीटेक्निक जांजगीर में 10 से 12 मार्च तक शिविर आयोजित

जांजगीर-चांपा। बेरोजगार युवाओं में कौशल को बढ़ावा देने तथा रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना प्रारंभ की गई है। प्राचार्य, रामकृष्ण राठौर शास.पॉली. जांजगीर एवं नोडल अधिकारी प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना ने बताया कि जांजगीर-चांपा जिले के युवाओं के लिए योजना के अंतर्गत पंजीयन, आवेदन हेतु शासकीय पॉलीटेक्निक जांजगीर में 10 से 12 मार्च 2025 को दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक शिविर आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक अभ्यर्थी इस शिविर में उपस्थित होकर निशुल्क पंजीयन, आवेदन कर सकते है।

योजना के अंतर्गत 10 वीं, 12 वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी जो नियमित उच्च शिक्षा में पंजीकृत न हो, किसी नियमित जॉब/नियोजन में न हो, आवेदक के परिवार में कोई सदस्य शासकीय नौकरी में न हो, परिवार के किसी सदस्य की वार्षिक आय 8 लाख से अधिक न हो व आवेदक की उम्र 21 से 24 वर्ष तक हो वे इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। इंटर्नशिप हेतु आवेदन के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल (https:// pminternship. mca.gov.in) प्रारंभ किया गया है। जिसका उपयोग करके आवेदन फार्म भरा जा सकता है, आवेदन प्रक्रिया नि:शुल्क है। आवेदन फार्म भरने की अंतिम तिथि 12 मार्च 2025 है। आवेदन किसी भी लोक सेवा केन्द्र अथवा स्वयं के मोबाइल से भी किया जा सकता है। आवेदन के लिए आधार कार्ड, संबंधित शैक्षणिक योग्यता जैसे 10 वीं/ 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा अथवा स्नातक की अंकसूची, प्रमाण पत्र, आधार सीडेड बैंक खाते के पासबुक के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति, आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर अनिवार्य है। इंटर्नशिप कॉर्पोरेट मंत्रालय द्वारा चयनित कंपनियों जिसकी सूची पोर्टल में दी गई है में से किसी एक कंपनी में करनी होगी यह केवल 1 वर्ष के लिए ही होगी।

इंटर्नशिप करने वाले अभ्यर्थी को 6 हजार रुपये की एकमुश्त अनुदान राशि तथा 5 हजार रुपये प्रतिमाह की सहायता राशि प्राप्त होगी। योजना से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु इस संस्था के मनीष कुमार साहू व्याख्याता विद्युत एवं प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारी (मो. 8319431116) अथवा व्यंकटेश्वर चतुर्वेदी, तक. सहायक (मो. 9827996191) से संपर्क किया जा सकता है।

जिला अस्पताल के स्टाफ ने किया धरना-प्रदर्शन, सांसद मिलने पहुंचीं

जांजगीर। जिला अस्पताल के कर्मचारियों व सिविल सर्जन के बीच शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। डॉक्टर व कर्मचारी ने शुक्रवार को भी प्रभारी सिविल सर्जन डॉ दीपक जायसवाल को हटाने के लिए एक बार फिर से विरोध प्रदर्शन किया।

डॉक्टरों व अन्य नर्सिंग स्टाफ ने मरीजों को परेशानी न हो इसे देखते हुए ओपीडी बंद होने के बाद अस्पताल के परिसर के सामने बैठकर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने सिविल सर्जन के खिलाफ जमकर नारे बाजी की। इधर विवाद बढ़ा देख सांसद कमलेश जांगड़े जिला अस्पताल पहुंची हुई थी। उन्होंने अस्पताल के कर्मचारियों ने सांसद को भी ज्ञापन देकर प्रभारी सिविल सर्जन को हटाने मांग की है। मामले में कलेक्टर ने तीन सदस्यीय जांच टीम बनाया है।

विधायक की बहू शारदा देवांगन अध्यक्ष व शिशुपाल सिंह राजपूत उपाध्यक्ष निर्वाचित

बलौदा। जनपद पंचायत के अध्यक्ष पद पर पूर्व संसदीय सचिव एवं तीन बार के अकलतरा विधानसभा के विधायक छतराम देवांगन की बहु शारदा सनत देवांगन जनपद पंचायत अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुई। वहीं उपाध्यक्ष के पद पर शिशुपाल सिंह राजपूत निर्विरोध निर्वाचित हुए।

जनपद पंचायत बलौदा में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए शुक्रवार को चुनाव निर्धारित था। पीठासीन अधिकारी आरके तंबोली, तहसीलदार करुणा आहेर, नायब तहसीलदार बी कश्यप, सीईओ जनपद पंचायत रोहित नायक ने निर्धारित समय 11 बजे निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारम्भ की। बीजेपी और कांग्रेस दोनों दलों ने इसके लिए कमर कसकर तैयारी की थी। बीजेपी ने 13 सदस्यों को और कांग्रेस ने 10 सदस्यों को अपने पाले में रखकर पिछले 8 दिनों से बाहर भेज दिया था। बीजेपी की और से जनपद सदस्य चुनामणि राठौर, शारदा सनत देवांगन, अध्यक्ष पद के लिए प्रमुख दावेदार थे। वहीं कांग्रेस की ओर से शारदा गौतम राठौर दावेदार थी। शारदा सनत देवांगन को 13 की बजाय 12 मत प्राप्त हुए और कांग्रेस की शारदा गौतम राठौर को 10 की जगह 11 मत प्राप्त हुए।

कांग्रेस ने उपाध्यक्ष के लिए अपना प्रत्याशी ही नहीं उतारा उपाध्यक्ष पद के लिए सिर्फ बीजेपी की ओर से एक नाम शिशुपाल सिंह राजपूत का आया। कांग्रेस ने उपाध्यक्ष के लिए अपना प्रत्याशी ही नहीं उतारा, इसलिए बीजेपी के शिशुपाल सिंह राजपूत निर्विरोध चुन लिए गए। चुनावी प्रक्रिया के दौरान बीजेपी के जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े, पूर्व संसदीय सचिव छत राम देवांगन, पूर्व विधायक सौरभ सिंह, पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू, नीलेश गुप्ता, योगेश गोयल,कांग्रेश से जैजेपुर विधायक बालेश्वर साहू, पूर्व जनपद अध्यक्ष कन्हैया राठौर, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सदन यादव, श?श अजय जगत, दिनेश मिरी, नवल किशोर सिंह सहित अन्य संख्या में मौजूद रहे।

समर्थकों ने मनाया जश्न जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के चुनाव के दौरान जनपद पंचायत कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित थे। सभी अपने अपने पार्टी के अध्यक्ष की जीत की खुशखबरी जानने के लिए बेताब थे। जैसे ही अध्यक्ष पद के लिए शारदा की जीत का पता चला तो बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और नारेबाजी भी की।

लोगों को मनरेगा के दिशा-निर्देशों की दी गई जानकारी

जांजगीर-चांपा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से गांव-गांव में रोजगार दिवस मनाया गया। इसके माध्यम से जॉबकार्डधारी परिवारों, ग्रामीणों की जॉबकार्ड, मजदूरी आदि की जानकारी दी गई। उसके अलावा मनरेगा के दिशा-निर्देशों के साथ सामुदायिक एवं हितग्राही मूलक कार्यों से अवगत कराया गया। प्रत्येक माह की 7 तारीख को रोजगार दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत जनपद पंचायत बलौदा के जावलपुर में मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी हृदय शंकर ने आयोजित रोजगार दिवस के दौरान उपस्थित जॉबकार्ड परिवारों को मनरेगा के दिशा-निर्देशों के साथ ही महिलाओं को मातृत्व भत्ता, श्रम कार्ड, मजदूरी दर, गोदी की जानकारी, आधार मैपिंग के संबंध में बताया गया।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोरबा
संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-20
(प्रथम बार)

क्रमांक/868/टेण्डर/ग्रायांसेवा/2025 कोरबा दिनांक 03.03.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में ''द'' वर्ग एवं उच्च क्षेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित सिविल कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, रायपुर द्वारा जारी दर अनुसूची दिनांक 01.11.2021 को मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर विभिन्न प्राथमिक शाला /माध्यमिक शाला/पशु चिकित्सालय में नवीन भवन एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य हेतु ऑफलाईन (Offline) प्रतिशत दर पर निविदा दिनांक 18.03.2025 समय 17.30 बजे तक ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स.क्र.	स्थल का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रूपये में)
1	2	3	4
1	ग्राम पंचायत गोड़मा वि.खं. कोरबा	14.03	0523.00
2	ग्राम पंचायत तौलीपाली वि.खं. कोरबा	14.03	0523.00
3	ग्राम पंचायत डोकरमना वि.खं. कोरबा	14.03	0523.00
4	ग्राम पंचायत धनगांव वि.खं. कोरबा	14.03	0523.00
5	ग्राम पंचायत गेरांव वि.खं. कोरबा	14.03	0523.00
6	ग्राम पंचायत जामबहार वि.खं. कोरबा	14.66	0995.00
7	ग्राम पंचायत सिमकेंदा वि.खं. कोरबा	14.66	0995.00
8	ग्राम पंचायत बड़गांव वि.खं. कोरबा	14.66	0995.00
9	ग्राम पंचायत चिर्रा वि.खं. कोरबा	14.66	0995.00
10	पसान में नवीन भवन एवं पशु उपचार हेतु शेड निर्माण कार्य वि.खं. पोड़ीउपरोड़ा	18.56	3920.00
11	शासकीय पशु औषधालय अजगरबहार में नवीन भवन निर्माण कार्य वि.खं. कोरबा	9.10	6825.00
12	शासकीय पशु औषधालय कोरकोमा में नवीन भवन निर्माण कार्य वि.खं. कोरबा	9.10	6825.00
13	(1) ग्राम लाफा (संकुल-लाफा) (2) ग्राम चौरासीमुडा (संकुल-नगोई) में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य वि.खं. पाली	14.36	0770.00
14	ग्राम कांजीपानी (संकुल-चैतमा) में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य वि.खं. पाली	7.18	5385.00
15	ग्राम कुम्हीपानी (संकुल-सोनसरी) में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य वि.खं. पाली	14.25	0688.00
16	ग्राम लोटनापारा (संकुल-लोटनापारा) में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य वि.खं. पाली	14.25	0688.00

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 03.03.2025 समय 15.30 बजे से डाउनलोड की जा सकती है।

(ए.के. जोगी)
कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोरबा
जिला-कोरबा (छ.ग.)

जी-242505831/3

गवाही देने पहुंचे ग्रामीण के साथ मारपीट

जांजगीर। तलाक के केस में गवाही देने पहुंचे ग्रामीण के साथ महिला के पति ने अपने भाई साथ मिलकर गाली गलौज कर मारपीट की। इधर वारदात के बाद पत्नी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामले में आरोपी पति और उसके भाई के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। जांजगीर पुलिस के अनुसार हथनेवरा निवासी महिला यामिनी सिंह पिता शिव सिंह की शादी जगमहंत निवासी तपन सिंह के साथ हुई थी। शादी के कुछ महीने बाद आए दिन पति-पत्नी के बीच झगड़ा होता था। यामिनी ने तलाक के लिए कोर्ट में आवेदन किया था। उनके तलाक का केस जांजगीर के परिवार न्यायालय में चल रहा है।6 मार्च को उनकी पेशी थी। पेशी होने के बाद तीनों जिला अस्पताल में भर्ती एक रिश्तेदार को देखने जिला अस्पताल पहुंचे, इसी बीच तपन सिंह अपने भाई शैलेंद्र सिंह के साथ जिला अस्पताल पहुंचा। जिसके बाद गवाही देने को लेकर मारपीट लगे।

कार्यालय तहसीलदार चांपा
जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.)

क्रमांक 202 वा/तह 2025
चांपा. दिनांक 15.01 2025.

// ईश्तहार//

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक पंकज कुमार राय पिता चंद्रमा राय निवासी ग्राम-चांपा, तहसील चांपा, जिला-जांजगीर चांपा के द्वारा अपने पुत्र लक्ष्मीकांत राय का ई.डब्ल्यू.एस.प्रमाण पत्र बनवाने हेतु 01 आवेदन पत्र, 02 आय प्रमाण पत्र, 03. आधार कार्ड, 04 निवास प्रमाण पत्र, 05 अंक सूची, 06 जन्म प्रमाण पत्र, 07. शपथ पत्र, 08. राशन कार्ड, 09 ऋण पुस्तिका,10 इंडियन इंकम टैक्स रिटर्न सहित पेश किया है।

अतः जिस किसी व्यक्ति संस्था को दावा / आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13.03.2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत तिथी के पश्चात दावा / आपत्ति स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15.01.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा ईश्तहार जारी किया गया।

जारी दिनांक : 15.01.2025
पेशी दिनांक : 13.03.2025

सील
तहसीलदार
चांपा

कार्यालय तहसीलदार चांपा
जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.)

क्रमांक 206/वा/तह 2025
चांपा. दिनांक 15.01 2025.

// ईश्तहार//

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक पंकज कुमार राय पिता चंद्रमा राय निवासी ग्राम-चांपा, तहसील चांपा, जिला-जांजगीर चांपा के द्वारा अपने पुत्री प्रगति राय का ई.डब्ल्यू.एस.प्रमाण पत्र बनवाने हेतु 01 आवेदन पत्र, 02 आय प्रमाण पत्र, 03. आधार कार्ड, 04 निवास प्रमाण पत्र, 05 अंक सूची, 06 जन्म प्रमाण पत्र, 07. शपथ पत्र, 08. राशन कार्ड, 09 ऋण पुस्तिका,10 इंडियन इंकम टैक्स रिटर्न सहित पेश किया है।

अतः जिस किसी व्यक्ति संस्था को दावा / आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13.03.2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत तिथी के पश्चात दावा / आपत्ति स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15.01.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा ईश्तहार जारी किया गया।

जारी दिनांक : 15.01.2025
पेशी दिनांक : 13.03.2025

सील
तहसीलदार
चांपा

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
NO.021-10/PUBLICATION/963 Korba West, dtd. 07.03.2025
e-Bidding TENDER NOTICE No. 1328/2025

Online tenders are invited from Experienced & Prospective Firms for the following Work/Supply:

S. No	Rfx No.	Particulars	Cost of tender doc.	E.M.D. (Rs.)	Last date of submission & opening
1.	Rfx No. 8100041934	Cleaning of Sticky Coal mud from inner wall of checked chutes in TPs, Crusher, Stacker/ Reclaimer VF-trays & Trippers in rainy season at CHP: INT, 4x210 MW, HTPS, Korba West.	590/-	5,040/-	28.03.2025
2.	Rfx No. 8100041932	Annual Contract for Daily Cleaning and Sweeping work at HBHPS, Machadoli.	590/-	7,405/-	28.03.2025
3.	Rfx No. 8100041938	Ceramic Lagging of drive pulley of conveyor 13A/B, 14A/B and 1A & 11T of CHP: EXT, HTPS, Korba West.	590/-	10,710/-	28.03.2025

NOTE:- 1. Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website www.cspc.co.in-e-Bidding. 2. Quantity as per tender schedule.

SUPERINTENDING ENGINEER (C-I)
O/o THE ADDL. CHIEF ENGINEER (S&P)
HTPS, CSPGCL, KORBA WEST

SAVE ENERGY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION

S-43151/3

वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया

जांजगीर। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 मार्च से 5 मार्च तक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से शिक्षकों ने भाग लिया और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के नए तरीकों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में सक्ती के झालरौंदा के शिक्षक श?मिल हुए।

कार्यक्रम में आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश मुख्य मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहे। जबकि डॉ. महबूब आलम ने समन्वयक की भूमिका निभाई। राज्य कार्यालय के प्रतिनिधि राजकुमार चाफेकर सर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में सक्ती जिले से शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय झालरौंदा के शिक्षक महेन्द्र कुमार चन्द्रा और शासकीय प्राथमिक शाला झालरौंदा की शिक्षिका चंचला चन्द्रा ने प्रशिक्षण में भाग लिया। शिक्षक महेन्द्र कुमार चन्द्रा ने कहा, यह प्रशिक्षण हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा। इसमें छोटे से बड़े स्तर तक की शैक्षणिक जानकारियां बहुत ही रोचक और सरल ढंग से दी गईं। प्रयोगों और दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से अध्यापन कराने से विद्यार्थियों की विषयों में रुचि बढ़ेगी और उनकी वैज्ञानिक सोच को मजबूती मिलेगी।

इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना था। शिक्षकों को यह सिखाया गया कि वे सभी विषयों के अध्यापन को दैनिक जीवन से जोड़कर कराएं, जिससे विद्यार्थियों में विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न हो और वे जटिल अवधारणाओं को सरलता से समझ सकें। इसके अलावा, छात्रों को क्या, क्यों और कैसे जैसे प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करने की रणनीतियां भी साझा की गईं।

दशगात्र के लिए निशुल्क सामग्री उपलब्ध कराई गई

अकलतरा। वार्ड नंबर 16 के नवनिर्वाचित कांग्रेस पार्षद विजय खांडेल ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादे को शपथ ग्रहण से पहले ही पूरा कर नगर में मिसाल पेश की है। उन्होंने वार्ड में किसी भी व्यक्ति की मृत्यु होने पर दशगात्र कार्यक्रम के लिए गैस सिलेंडर, टेबल, कुर्सी, पानी भरने के लिए ड्रम, मैट एवं अन्य आवश्यक सामग्री निशुल्क उपलब्ध कराने की घोषणा की थी।

मां महामाया ज्वेलर्स में दूसरे दिन भी आयकर टीम का सर्वे

जांजगीर। सक्ती के प्रतिष्ठित सराफा व्यापारी मनोज अग्रवाल के मां महामाया ज्वेलर्स दुकान और उनके घर पर आयकर विभाग की टीम गुरुवार दोपहर करीब एक बजे पहुंची औररिकॉर्ड खंगालने शुरूकिए। शुक्रवार को भी यह कार्रवाई दिन भर चार से पांच अधिकारियों की नेतृत्व में चली। इस बीच सुरक्षा में तैनात जवानों नेकिसी को अंदर जाने नहींदिया। सूत्रों के अनुसार, विभाग टैक्स संबंधी खाते खंगालने पहुंची है। कुछ जानकारों का कहना है कि यह एक नियमित प्रक्रिया हो सकती है, जिसमें बड़े व्यावसायियों के यहां टैक्स चोरी पर शिकंजा कसा जाता है। आईटी टीम ने अग्रवाल के व्यापारिक लेन-देन और वित्तीय दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

जेसीबी-बाइक में भिड़ंत, 1 की मौत

जांजगीर। गुरुवार की देर शाम भैंसदा दशगात्र में शामिल होकर घर लौटते समय बाइक सामने से आ रहे जेसीबी से टकरा गई। इस दुर्घटना से एक युवक मौत हो गई, जबकि दूसरे घायल को इलाज बिलासपुर में जारी है। जानकारी के अनुसार खोखरा निवासी रामसनेही सूर्यवंशी के ससुराल में गुरुवार को दशगात्र कार्यक्रम था। गुरुवार की दोपहर वह अपने बड़े भाई तुलाराम सूर्यवंशी के साथ दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने भैंसदा गया था। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दोनों भाई बाइक से घर लौट रहे थे।

लौटते समय रात लगभग 9 बजे खोखरा मक्तिधाम के पास जांजगीर की ओर रहे जेसीबी का उनकी बाइक से आमने-सामने टक्कर हो गई और दोनों बाइक से नीचे गिर गए, इधर दुर्घटना की खबर मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस अफसरों के कार्यों की एसपी ने की समीक्षा

सक्ती। एसपी सक्ती ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना व चौकी प्रभारियों की बैठक ली। इस बैठक में जिले में घटित और लंबित अपराधों के साथ-साथ बेसिक पुलिसिंग की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी थाना, चौकी प्रभारियों को निर्देशा दए क वे लंबित अपराध, मर्ग, गुम इंसान, गुम बालक, बालिका और शिकायतों का शीघ्र निराकरण करें। साथ ही एक वर्ष से अधिक समय से लंबित अपराधों का निराकरण करने की दिशा में तुरंत कार्रवाई शुरू करें। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव, डीएसपी अंजली गुप्ता और अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

रोजगार दिवस में मनरेगा के दिशा-निर्देशों की दी गई जानकारी

जांजगीर-चांपा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से गांव-गांव में रोजगार दिवस मनाया गया। इसके माध्यम से जॉब कार्डधारी परिवारों, ग्रामीणों की जॉब कार्ड, मजदूरी आदि की जानकारी दी गई। इसके अलावा मनरेगा के दिशा-निर्देशों के साथ सामुदायिक एवं हितग्राही मूलक कार्यों से अवगत कराया गया। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल कुमार रावटे के मार्गदर्शन में प्रत्येक माह की 7 तारीख को रोजगार दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत जनपद पंचायत बलौदा की ग्राम पंचायत जावलपुर में मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी हृदय शंकर ने आयोजित रोजगार दिवस के दौरान उपस्थित जॉबकार्ड परिवारों को मनरेगा के दिशा-निर्देशों के साथ ही महिलाओं को मातृत्व भत्ता, श्रम कार्ड, मजदूरी दर, गोदी की जानकारी, आधार मैपिंग के संबंध में बताया गया। इसके अलावा कोसमंदा, औराईखुर्द, करमा में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। विकासखंड अकलतरा, बम्हनीडीह, नवागढ़, पामगढ़ की ग्राम पंचायतों में भी रोजगार दिवस का आयोजन किया गया।

दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठजनों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का हुआ आयोजन

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऐसे शिविर जरूरी - सांसद

जांजगीर-चांपा। भारत सरकार की एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजनांतर्गत जिले के दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठजनों हेतु भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम जबलपुर द्वारा निर्मित सहायक उपकरणों, कैलीपर्स व कृत्रिम अंग उपकरण प्रदाय करने के लिए सांसद लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा श्रीमती कमलेश जांगड़े के मुख्य आतिथ्य में आज शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिव्यांगजन तथा वरिष्ठजन हितग्राहियों को सहायक उपकरण वितरण कर लाभांवित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कहा कि शासन के निर्देशन में संभाग अंतर्गत विभिन्न जिलो में दिव्यांगजनों और वरिष्ठजनों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण किया जा रहा है। केंद्र और राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार लगातार किसानों, युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठजनों सहित सभी वर्गों के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए

शिविर आयोजित करना जरूरी है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरी, नगर पालिका जांजगीर-नैला अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढेवाल ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में मोटराईज्ड ट्रायसायकल, ट्रायसायकल, बैसाखी, कैलिपर्स, छड़ी कृत्रिम अंग, श्रवणयंत्र, ब्रैलकीट, रोलेटर चाईल्ड, व्हीलचेयर, वाकर हितग्राहियों को प्रदाय किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, उप संचालक पंचायत अभिमन्यु साहू, समाज कल्याण उप संचालक बी एन बैंक सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, विभिन्न दिव्यांगजन व वरिष्ठजन हितग्राही तथा समाज कल्याण विभाग सहित संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

अनमोल वचन......

आध्यात्मिक जीवन की प्राप्ति के लिए श्रेष्ठतम-निकटतम उपाय है।

नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद

कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई। इन सबके सबक क्या हैं। प्रादेशिक स्वायतत्ता की उपेक्षा संबंधी दक्षिणी राज्यों की कई शिकायतों में दम है, मगर जिस तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन इससे जुड़े सवालों को लेकर माहौल गरमा रहे हैं, उससे उनके इरादे पर शक होना लाजिमी है। स्टालिन लोकसभा सीटों के संभावित परिसीमन से जुड़ी आशंकाओं, नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद, और हिंदी थोपने की कथित शिकायत को रोजाना के स्तर पर उठा रहे हैं।

इस क्रम में वे अपने राज्य के लोगों को तुरंत अधिक बच्चे पैदा करने की प्रतिगामी सलाह देने की हद तक चले गए हैं। जाहिरा तौर पर केंद्र की कई नीतियों से गहराई शिकायतों में स्टालिन ने अपनी पार्टी डीएमके के लिए अवसर देखा है।

संकेत साफ हैं कि साल भर बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में वे इन्हीं भावनात्मक मुद्दों को लेकर अभियान चलाएंगे। इस क्रम में खासकर भाषा विवाद में निहित खतरों की वे पूरी उपेक्षा कर हे हैं। उनका अभियान हिंदी के खिलाफ है- जिसमें उन्होंने हिंदी बोलियों को खा गई जैसा तथ्यहीन दावा भी किया है। बहरहाल, ऐसे मुद्दे कैसे हालात पैदा कर रहे हैं, इस पर भी उन्हें जरूर ध्यान देना चाहिए।

कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई। सबक क्या है। स्पष्टतः यही कि पहचान एवं भावनाओं की राजनीति ने देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे मसलों को लेकर भड़काऊ माहौल बना रखा है। इसकी बड़ी जिम्मेदारी राजनेताओं और राजनीतिक दलों पर जाती है, जिन्हें ऐसे मुद्दों में वोट पाने का आसान रास्ता दिखता है। चूंकि आर्थिक और विकास नीतियों के मामलों में तमाम दलों ने समान रास्ता चुना हुआ है, वैसे में अपनी अलग प्रासंगिकता दिखाने का उन्हें यही सरल उपाय नजर आता है।लेकिन जन हित और राष्ट्र के व्यापक हित के नजरिए से यह खतरनाक खेल है। यह अवश्य रेखांकित किया जाना चाहिए कि अगर धार्मिक विभाजन की राजनीति देश के लिए जोखिम भरी है, तो भाषा या जाति के आधार पर चुनावी गोलबंदी कम खतरनाक नहीं है।

राशिफल

मेष राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपका सोचा हुआ काम, आज पूरा हो जाएगा। बिजनेस साझेदार के साथ मिलकर किए गए कामों से आपको लाभ मिलेगा। साथ ही खुले मन से काम करने पर अच्छे लोग आपसे जुड़ने की कोशिश करेंगे। इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन बेहतर रहेगा।

वृष राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा, आपको मन मुताबिक परिणाम मिलेगा। आज खुद पर ध्यान देंगे। आज आपके विरोधी आपके सामने नतमस्तक होंगे, दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे। किसी काम में अपनों की मदद मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा।

मिथुन राशि- आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपके परिवार में नई-नई खुशियां आएंगी। संतान की सफलता आपको प्रसन्न करेगी, आपके घर लोग बधाई देने आयेंगे। घर पर पार्टी का आयोजन करेंगे। नए काम करने की सोच से आपको धन लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे।

कर्क राशि- आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आयेगा। आज आप किसी बात को लेकर नेतृत्व करेंगे, जिसमें अन्य लोगों का सहयोग मिलेगा। साथ ही किसी जरूरी विषय पर बातचीत भी होगी, अपनी बात कहने का मौका मिलेगा, आपके विचारों को महत्व मिलेगा। आज आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा जो आगे चलकर काम आएगा।

सिंह राशि- आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। आज आप वर्किंग प्लेस पर खूब मेहनत करेंगे। अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होगा। प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए आज का दिन अच्छा है।आज आपको कई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जिन्हें आप अच्छी तरह से निभायेंगे। इस राशि के मनोरंजन उद्योग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा, आपकी क्रिएटिव फील्ड मजबूत होगी।

कन्या राशि- आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला हैं। आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है, जिससे आप कॉन्फिडेंस फील करेंगे। किसी जरूरी काम पर आज विचार करने का पूरा मौका मिलेगा। समय का पूरा सदुपयोग करें। आज आप रचनात्मक कार्य कर सकते हैं।

तुला राशि- आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज किसी धार्मिक स्थल पर जाएंगे, जहां आप कुछ जरूरतमंद की मदद भी करेंगे। हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे, जिससे आपको सफलता मिलेगी। आज किसी से मदद मांगने में संकोच न करें, सब आपके फेवर में है।

वृश्चिक राशि- आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आज अधिकारी वर्ग का सहयोग पाने में आसानी होगी, बिगड़ते काम बनेंगे। बच्चों के प्रति आपका प्रेम। आपको उनका प्रिय बना देगा। आज आप अपनी गलतियों से कुछ सीखेंगे। अगर आप बिजनेस स्टार्ट कर रहे हैं, तो शुभ मुहूर्त में ही शुरू करें।

धनु राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी दोस्त से मिलने उसके घर जाएंगे, पुरानी यादें ताज़ा होगी। आज यात्रा करने से बचने की कोशिश करें। बच्चों के साथ थोड़ा टाइम स्पेंड कर सकते हैं। प्राइवेट शिक्षक आज बच्चों को पढ़ाई के नए तरीके सिखायेंगे, छात्रों की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी।

मकर राशि- आज आप अपने दिन की शुरुआत शांत मन से करेंगे। पुराने लेन-देन के मामलों में आज सोच विचार करेंगे। अपने खास रिश्तेदार के घर जाएंगे जहां खुशी का माहौल बना रहेगा। आपको सरकारी क्षेत्र से लाभ होने की संभावना हैं। किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के लिए कॉल आयेगी।

कुंभ राशि- आज आपके दिन की शुरुआत अच्छे मूड के साथ होने वाली है। आज पैसों के मामले में उन्नति के नए रास्ते खुलेंगे, आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। आज आप उन चीजों को ज्यादा महत्व दे जो आपके लिए ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। साथ ही आपको अपने काम, परिवार, और दोस्तों के बीच संतुलन बना कर रखना चाहिए। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

मीन राशि- आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। इस राशि के जो लोग बेकरी के बिजनेस से जुड़े हैं, उन्हें आज उम्मीद से ज्यादा लाभ होगा, जिससे आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेगी। कला व साहित्य से जुड़े लोगों के लिए भी आज का दिन बढ़िया रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स अपने करियर को लेकर अपने गुरु से परामर्श लेंगे।

युवा महिलाओं के जीवन की वास्तविक झलक प्रस्तुत करती ज़िद्दी गर्ल्स

//हरिशंकर व्यास//

ज़िद्दी गर्ल्स कहानी है पांच जेन ज़ी फ्रेंशर्स की जो कॉलेज में आते ही गहरी दोस्ती, रोमांस और कैंपस की हवा के साथ साथ ज़िंदगी की ताप से भी गुज़र रही हैं। ज़िद्दी गर्ल्स सीरीज़ का निर्देशन किया है शोनाली बोस ने, जबकि इसे रंगिता प्रीतिश नंदी और इशिता प्रीतिश नंदी ने क्रिएट किया है। और संकल्प जोशी शामिल हैं। कॉलेज की मस्ती, चुनौतियां और भावनात्मक उतार चढ़ाव को इसमें प्रामाणिक रूप से दर्शाया गया है।

कैंपस फ़िक्शन अपने आप में क़िस्सागोई के लिए एक बेहद दिलचस्प स्पेस है। चाहे ये कैंपस कॉलेज का हो या किसी यूनिवर्सिटी का, इसे कभी केंद्र तो कभी नेपथ्य में रख कर बहुत सी कहानियां, उपन्यास लिखे गए और फ़िल्में बनती रहीं हैं। इसी श्रृंखला में अब एक ताज़ातरीन वेब सीरीज़ आई है, ज़िद्दी गर्ल्स'। फिल्म की कहानी दरअसल दिल्ली विश्वविद्यालय में लड़कियों के लिए मशहूर कॉलेज मिरांडा हाउस' के इर्द गिर्द बुनी गई है, जिसका नाम तकनीकी और व्यावहारिक वजहों से मटिल्डा हाउस' कर दिया गया है। साथ ही शुक्र है उस भूल चूक लेनी देनी' की तख़्ती (डिस्क्लेमर) एडवांस में लगा देने वाले अनिवार्य चलन का, जिसकी वजह से यह सीरीज़ रिलीज़ के पहले उन विवादों में फंसने से बच गई, जो इसे इसके दर्शकों से दूर रख सकते थे।

तो चलिए आज के सिने-सोहबत' में चर्चा की जाए मटिल्डा हाउस' यानी मिरांडा हाउस' यानी एमएच' से जुड़ी इस कहानी पर बनी ज़िद्दी गर्ल्स' की।दरअसल, एमएच' से मेरा निजी रिश्ता भी रहा है। तब मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर' (सीएलसी) में पढता था। क़रीब पच्चीस साल हो गए। ज़िंदगी की पहली घोषित गर्लफ्रेंड एमएच में थी और वो भी वहां के हॉस्टल में। ग़ौरतलब है कि ये बताना उतना प्रासंगिक नहीं है कि अब वो मेरी पत्नी हैं लेकिन चूंकि समाज को प्रेम कहानियों का सुखांत देखना अच्छा लगता है इसलिए मैंने इसका ज़िक्र भी कर दिया है।

तो होता ये था कि हर शाम उनसे मिलने जाता था। तब वहां रहने वाली लड़कियों के लिए विज़िटर्स से मिलने का समय होता था शाम साढ़े चार से साढ़े सात। उसके बाद के वक़्त को कहते थे कर्फ़्यू ऑवर'। शाम साढ़े सात के बाद हॉस्टल की वो सभी सैकड़ों लड़कियां उस ऊंची गेट और उससे भी ऊंची दीवारों के पीछे ग़ायब। ज़ाहिर है किसी भी संस्थान और वहां के माहौल को सुरक्षित रखने के लिए सिस्टम्स बनाए जाते हैं और समय समय पर उनको बेहतर करने के इंटरनल और एक्सटर्नल संघर्ष चलते रहते हैं। बहरहाल, अनुशासन' और अलग अलग किस्म की आज़ादी' के बीच का संघर्ष सदियों से चला आ रहा है लेकिन एमएच' की लड़कियों की जो बात मुझे सबसे ज़्यादा चकित करती रही कि वो है वहां के माहौल में देश भर से पढने़ और खुद को गढने़ आई लड़कियों में ऐसा कॉन्फिडेंस आता है कि वो अपनी पसंद की फील्ड में कुछ भी कर गुज़रती हैं और वो भी अपनी शर्तों पर। चाहे वहां के थिएटर ग्रुप्स हों, या डिबेटिंग सोसाइटी या फिर स्टूडेंट्स यूनियन के चुनाव, चुनाव की प्रक्रिया और उनमें इन लड़कियों का बेधड़क भाग लेना, साइंस एक्जीबिशन हो या पोएट्री रेसाइटेशन अपनी पढ़ाई और स्पोर्ट्स के साथ साथ सबमें जूझना इन लड़कियों की जीवन शैली बन जाती है। इस कैंपस में हज़ारों लाखों सपने साकार किए हैं। हर क्षेत्र में लड़कियों ने नाम किए हैं। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित भी एक्स मिरांडीयन (मिरांडा हाउस की पूर्व छात्रा) थीं। बहरहाल, ज़िद्दी गर्ल्स' कहानी है पांच जेन ज़ी फ्रेशर्स की जो कॉलेज में आते ही गहरी दोस्ती, रोमांस और कैंपस की हवा के साथ साथ ज़िंदगी की ताप से भी गुज़र रही हैं। साथ ही वे अपने कॉलेज और वहां के माहौल को बाहरी खतरों से बचाने के लिए संघर्ष करना भी सीखती हैं। ज़िद्दी गर्ल्स की कहानी का प्लॉट शिक्षा के निजीकरण' की साज़िश को अमली जमा पहनाने की कोशिश और उसके खिलाफ वहां की लड़कियों और कुछ ऐसे शिक्षिकाओं और शिक्षकों के संघर्ष पर टिका है जो उस खुले और प्रगतिशील माहौल को बचाए रखना चाहते हैं। एक तरफ खुले माहौल से हो रही भारतीय संस्कृति के अपमान का कुतर्क और

कॉलेज के खुले माहौल पर अंकुश लगाने की कवायद चल रही होती है तो दूसरी तरफ समानता के अधिकार' के तहत सबके लिए कम शुल्क में अच्छी शिक्षा को बरक़रार रखने की कोशिश है।

देश भर में जिस तेज़ी से शिक्षा का निजीकरण' बढ़ रहा है उससे अमीर और गरीब बच्चों के बीच की खाई और भी चौड़ी होती जा रही है। नितांत आवश्यक है कि सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और अन्य तकनीकी संस्थानों को बेहतर किया जाए ताकि हर तबके से आने वाले विधार्थियों को समान अवसर मिल सके। इस संदर्भ में मुझे छत्तीसगढ़ कैडर के अपने एक आईएएस अधिकारी मित्र अवनीश शरण का नाम इसलिए ध्यान में आ रहा है क्योंकि उन्होंने आईएएस रहते हुए अपनी बेटी की स्कूली शिक्षा के लिए उसका दाखिला शहर के एक सरकारी विद्यालय में करवाया था। लगभग सामंती समाज और उसकी री-पैकेजिंग के तौर पर नौकरशाही की ठसक वाले अपने इस देश के किसी भी छोटे शहर के लिए ये एक बहुत बड़ी घटना थी। उसके बाद अवनीश शरण के कई और साथी अफसरों और जूनियर्स ने भी ऐसा ही किया। फिर सरकारी अधिकारियों को ही राज्य सरकार के उस विद्यालय की स्थिति दुरुस्त करनी पड़ी. जिससे हर वर्ग से आने वाले बच्चों की सहूलियतें बढ़ गई। ज़रुरत है माइक्रो लेवल पर सबको अपना योगदान देने की ताकि अपने देश की शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्राइवेट प्लेयर्स ही आखिरी विकल्प न रहें।

बढिय़ा है कि ज़िद्दी गर्ल्स के माध्यम से समाज में शिक्षा के निजीकरण और उसके इर्द गिर्द भी विचार विमर्श हो कि अपने यहां किस अनुपात में क्या हो या क्या नहीं। ज़िद्दी गर्ल्स सीरीज़ का निर्देशन किया है शोनाली बोस ने, जबकि इसे रंगिता प्रीतिश नंदी और इशिता प्रीतिश नंदी ने क्रिएट किया है। प्रमुख भूमिकाओं में सिमरन, नंदिता दास, अनुप्रिया कैरोली, रेवती, अतिया तारा नायक, उमंग भड़ाना, जैन अली, दिया दामिनी, नंदीश सिंह संधूऔर संकल्प जोशी शामिल हैं। कॉलेज की मस्ती, चुनौतियां और भावनात्मक उतार चढ़ाव को इसमें प्रामाणिक रूप से दर्शाया गया है। साथ ही, यह सीरीज दोस्ती, महत्वाकांक्षाओं और निजी संघर्षों के माध्यम से युवा महिलाओं के जीवन की वास्तविक झलक प्रस्तुत करती है। ये कहानी बखूबी दिखाती है कि कैसे ये लड़कियां अप्रासंगिकता को चुनाती देकर अपने भविष्य के लिए संघर्ष करती हैं। ज़िद्दी गर्ल्स के इस पहले सीजऩ में कुल आठ एपिसोड हैं। अमेजऩ प्राइम वीडियो पर है। देख लीजिएगा।(पंकज दुबे मशहूर बाइलिंग्वल उपन्यासकार और चर्चित यूट्यूब चैट शो, स्मॉल टाउन्स बिग स्टोरीज़ के होस्ट हैं।)

बदले-बदले से 'सरदार' नजर आते हैं

//राकेश सैन //

आम आदमी पार्टी की दृष्टि से पंजाब में तो स्थितियां और भी विकराल हैं क्योंकि यहां उसकी सरकार के कार्यकाल में नशा अपनी तमाम सीमाएं तोड़ता दिख रहा है, जबकि पार्टी नशामुक्ति के हिमालयी वायदे करके सत्ता में आई थी।हिन्दी का एक बहुत मशहूर शेयर है ...बदले-बदले से सरकार नजर आते हैं, अपने ही संगी के साथी नहीं अब, अपनों से अब बेजार नजर आते हैं।

इस शेयर में अगर 'सरकार' की जगह 'सरदार' लिख दिया जाए तो यह पंक्तियां पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान पर बिल्कुल स्टीक बैठती हैं। कुछ दिन पहले तक अपने चुटकलों से लोगों को हंसा हंसा कर लोटपोट कर देने वाले भगवंत मान अब उत्तर प्रदेश के योगी के अंदाज में दिखने लगे हैं। नशा तस्करों के घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं, दिन में हड़ताली राजस्व अधिकारियों को सीधा-सीधा धमकाते हैं कि 'आपको छुट्टी मुबारक' और शाम होते-होते उन्हें निलम्बित कर देते हैं। और तो और किसान नेताओं को यहां तक कहने लगे हैं कि 'बहुत हो चुका अब आपकी ब्लैकमेलिंग और नहीं चलेगी। आप लोगों ने पंजाब को धरना प्रदेश बना कर रख दिया है।' पंजाब में इन दिनों मुख्यमंत्री के व्यवहार में आए बदलाव के कारण खोजे जा रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकारों का मानना है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हुई पराजय के बाद पंजाब का नेतृत्व दबाव में है और कुछ कर दिखाने की कोशिश कर रहा है। चूंकि राज्य में 'आप' की क्रान्तिकारी सरकार अपना आधे से अधिक कार्यकाल पूरा कर चुकी है परन्तु उपलब्धि के नाम पर सरकार के हाथ खाली-खाली से लगते हैं। क्रान्ति अब भ्रान्ति लगने लगी है। पंजाब सरकार की कार्यप्रणाली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सरकार की छायाप्रति ही रही है। पंजाब में भी दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर आम आदमी क्लीनिक खोले गए, मनीष सिसोदिया के आदर्श स्कूलों की कॉपी करते हुए स्कूल आफ एमिनेंस खोले गए। पंजाब के मंत्री दिल्ली वालों की तरह शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनवाते नहीं अघाते परन्तु दिल्ली के विकास मॉडल के धड़ाम होने के बाद पंजाब का नेतृत्व भी सन्न है। आम आदमी पार्टी की दृष्टि से पंजाब में तो स्थितियां और भी विकराल हैं क्योंकि यहां उसकी सरकार के कार्यकाल में नशा अपनी तमाम सीमाएं तोड़ता दिख रहा है, जबकि पार्टी नशामुक्ति के हिमालयी वायदे करके सत्ता में आई थी। पर आज राज्य में आए दिन कहीं न कहीं नशे की ओवरडोज मौत होने की खबरें मिलती रहती हैं। कुछ जगह पर तो आठ-दस साल के बच्चों के भी नशे करने की खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं। राज्य में आटे की तरह चिट्टा (हेरोइन) बिक रहा है। नशा महिषासुर राक्षस बन चुका है जिसको जितना मारो उसके रक्त की हर बून्द से नए-नए महिषासुर पैदा हो रहे हैं। पुलिस आए दिन भारी मात्रा में नशा पकडऩे का दावा करती है परन्तु इसके बावजूद पंचनद की धरती पर नशे का छठा दरिया बहता दिखाई देता है। राज्य का सरकारी कर्ज निरंतर बढ़ रहा है तो महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये देने का चुनावी वायदा विपक्षी दल भूलने नहीं दे रहे।कहते हैं कि एक बार मुल्ला जी ने नदी में बहते हुए रीछ को कम्बल समझ कर पकड़ लिया, पर कुछ ही देर बाद हालत यह हो गई कि मीयां जी तो कम्बल को छोडऩा चाहें पर अब कम्बल मीयां जी को ना छोड़े। यही हालत किसान संगठनों को लेकर भगवंत मान सरकार की होती दिख रही है। दिल्ली में चले किसान आन्दोलन के दौरान आम आदमी पार्टी ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए आंदोलनकारी किसानों को केवल समर्थन ही नहीं दिया बल्कि लंगर-पानी तक पहुंचाने का काम भी किया। समय बदला, अब वही किसान संगठन आम आदमी पार्टी की सरकार के लिए सिरदर्द बनते दिख रहे हैं। साल पहले किसानों के नए आंदोलन के तहत दिल्ली कूच करते हुए हरियाणा पुलिस ने आंदोलनकारियों को पंजाब-हरियाणा की सीमा शम्भू बार्डर पर ही रोक दिया था। आन्दोलनकारी किसान तब से वहां पक्का मोर्चा लगाए बैठे हैं। यह आंदोलन अब राज्य के विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बन रहा है। पंजाब की औद्योगिक नगरियां अमृतसर, जालन्धर, लुधियाना इसी मार्ग से दिल्ली के साथ जुड़ी हैं परन्तु रास्ता बंद होन के कारण न तो कारखानों को कच्चा माल आसानी से सप्लाई हो रहा है और न ही तैयार माल ठिकानों पर पहुंचाया जा सकता है। वैकल्पि मार्ग अपनाने से माल की लागत बढ़ रही है जिससे पंजाब के उद्योगपति पिछड़ रहे हैं। दिल्ली जाने के लिए आम लोगों को भी गांवों के कच्चे मार्गों से हो कर गुजरना पड़ता है। इससे पंजाब का उद्योग चरमराता जा रहा है, मुख्यमंत्री कई बार देश के बड़े धनपतियों से मिल कर राज्य में नये निवेश का आमंत्रण दे चुके हैं परन्तु जब पहले से स्थापित उद्योग किसान आंदोलनकारियों के कारण त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहे हों तो भला नया उद्योग कैसे राज्य में आए। पंजाब के उद्योगपति व व्यवसाई कई बार मुख्यमंत्री से भेंट कर इसका स्थाई हल निकालने की मांग कर चुके हैं पर कोई रास्ता निकलता नजर नहीं आ रहा, तो ऐसे में सरदार जी का बदलना समझ आता है।

कुछ विश्लेषक सरदार जी के बदलाव के पीछे पार्टी की आंतरिक राजनीतिक को भी कारण मान रहे हैं। सत्ता के गलियारों में चर्चा है कि दिल्ली में कमरतोड़ पराजय के बाद राजनीतिक रूप से बेरोजगार हो चुके अरविंद केजरीवाल अब पंजाब में अपनी सम्भावनाएं खोज रहे हैं। लुधियाना में आम आदमी पार्टी के विधायक गुरप्रीत गोगी के देहांत के बाद वहां रिक्त हुई सीट पर उपचुनाव होने हैं। आम आदमी पार्टी ने वहां के राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को उम्मीदवार घोषित किया है। इससे राज्य में इस चर्चा को बल मिला है कि खुद अरविंद केजरीवाल यहां से राज्यसभा जाने की इच्छा रखते हैं। भगवंत मान शायद अधिक अच्छे से जानते हैं कि राज्यसभा व लोकसभा की टिकटें बांटने वाले केजरीवाल पंजाब में केवल सांसद बनने के लिए नहीं आरहे, वे कुछ और चाहते हैं। अगर सरदार जी की सरकार यूं ही ढचक-ढचक शैली में चलती रही तो उनकी कुर्सी को खतरा हो सकता है। शायद यही कारण है कि भगवंत मान आज 'कमेडियन' से 'कर्मयोगी' बनने की कोशिश में सख्ती दिखा रहे हैं। अंत में यही कहा जा सकता है कि ...

देख उनकी सादगी पर मिट गए थे कभी, अब पैंतरे बदलते सरकार नजर आते हैं। बदले-बदले से 'सरदार' नजर आते हैं।

तस्वीरों की दुनिया

मौलाना कल्बे जवाद नकवी ने लखनऊ के बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद में वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

कोलकाता के जादवपुर इलाके में राज्य सरकार और छात्रों पर कथित हमले के खिलाफ रैली में छात्र और नागरिक भाग लेते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिलवासा, दादरा और नगर हवेली में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान संबोधित किया।

राज्य सिविल सेवा अधिकारियों ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया गुवाहाटी में क्राइम ब्रांच ऑफिस पहुंचे।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बेंगलुरु में विधान सौध में विधानसभा सत्र के दौरान बोलते हुए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल अहमदाबाद के राजीव गांधी भवन में गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जीपीसीसी) की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में शामिल हुए।

हिंदी विरोध पर स्टालिन को अमित शाह ने दिखाया आईना, बोले- भाषा को मुद्दा बनाना तमिलनाडु सीएम का राजनीतिक हथकंडा

नईदिल्ली, 08 मार्च (एजेंसी)।

पांच दशक से अधिक पुराने हिंदी विरोध को तमिलनाडु के आगामी विधानसभा चुनाव में मुद्दा बनाने की कोशिश में जुटे मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आईना दिखाया है। अमित शाह ने स्टालिन के हिंदी विरोध को सिर्फ राजनीतिक हथकंडा होने का संकेत देते हुए कहा कि मातृभाषा में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई को हरी झंडी देने के बावजूद स्टालिन ने तमिलनाडु में इसके लिए कोई प्रयास नहीं किया है। उन्होंने स्टालिन को जल्द से जल्द मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई तमिल भाषा में शुरू करने की चुनौती दी। चेन्नई में सीआइएसएफ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में अमित शाह ने स्टालिन की दक्षिण भारत और उत्तर भारत के बीच विभेद पैदा करने की कोशिशों का पर्दाफाश करते हुए साफ किया कि तमिल भाषा, संस्कृति और परंपराएं भारतीय संस्कृति का अनमोल गहना हैं और पूरा देश इसे स्वीकार करता है।उन्होंने कहा कि तमिलनाडु ने भारतीय संस्कृति को हर क्षेत्र में मजबूत किया है, फिर चाहे यह प्रशासनिक सुधार हो, आध्यात्मिक ऊंचाई हासिल करना हो, शिक्षा हो या देश की एकता व अखंडता हो। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार तमिल सहित सभी भारतीय भाषाओं को संरक्षित और विकसित करने के साथ ही उन्हें रोजगार का जरिया भी बनाने की कोशिश कर रही है।

अमित शाह ने कहा कि तमिल में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू करने से मातृभाषा के रूप में तमिल न सिर्फ मजबूत होगी, बल्कि तमिल माध्यम से शिक्षित होने वाले छात्रों को करियर में आगे बढ़ने का समान अवसर भी मिलेगा।तमिल सहित सभी भारतीय भाषाओं को संरक्षित करने के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता जताते हुए शाह ने कहा कि केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों (सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी) की भर्ती परीक्षाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भारतीय भाषाओं में कराने भी फैसला किया है।अब सिर्फ तमिल जानने वाले युवा भी केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की भर्ती परीक्षाओं में भाग ले सकते हैं और नौकरी पा सकते हैं। जबकि पहले ये भर्ती परीक्षाएं सिर्फ हिंदी और अंग्रेजी में होती थी और तमिल जानने वाला युवा इनमें हिस्सा ही नहीं ले पाता था। तमिलनाडु के तक्कोलम में स्थित सीआइएसएफ के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र का नाम चोल वंश के राजा राजादित्य चोल के नाम पर रखने की घोषणा कर अमित शाह ने साफ कर दिया कि मोदी सरकार तमिल भूमि पर पराक्रम और बलिदान की गाथाएं लिखने वाले ऐतिहासिक महापुरुषों का सम्मान करना नहीं भूलती। उन्होंने चोल साम्राज्य की महान परंपराओं को आगे बढ़ाने वाले राजादित्य चोल के नाम पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के नामकरण को गौरव की बात बताया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि वह ब्रिटिश औपनिवेशवाद के स्थान पर हिंदी औपनिवेशवाद को स्वीकार नहीं करेंगे। एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट में स्टालिन ने कहा, पेड़ शांत रहना पसंद कर सकता है, लेकिन हवा शांत नहीं होगी।केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने हमें पत्र लिखने के लिए उकसाया, जबकि हम बस अपना काम कर रहे थे। वह अपना स्थान भूल गए और पूरे राज्य पर हिंदी थोपने के लिए धमकाने की हिम्मत की और अब उन्हें ऐसी लड़ाई फिर शुरू करने के परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं जो वह कभी नहीं जीत सकते।उन्होंने कहा, सबसे बड़ी विडंबना यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एईपी) खारिज करने वाले तमिलनाडु ने पहले ही कई ऐसे लक्ष्य प्राप्त कर लिए हैं जिन्हें नीति के तहत 2030 तक प्राप्त करना है।

बांग्लादेश में प्रतिबंधित आतंकी संगठन ने निकाली रैली, पुलिस के साथ हुई झड़प, लोगों में दहशत

ढाका, 08 मार्च (एजेंसी)।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के शासन में कट्टरपंथी और प्रतिबंधित संगठनों का हौसला बुलंद हो गया है। इसका ताजा उदाहरण है कि राजधानी ढाका में प्रतिबंधित इस्लामी संगठन हिज्ब उत तहरीर ने शुक्रवार को पहली बार खुले तौर पर रैली निकाली। इसमें हजारों लोग शामिल हुए। इस दौरान संगठन के सदस्यों ने बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस के साथ झड़प हो गई। पुलिस ने उन्हें खदेड़ने के लिए लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले भी दागे। साउंड ग्रेनेड का भी प्रयोग किया गया। पुलिस ने बताया कि जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा में कई लोग घायल हो गए और कई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया।ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस के उपायुक्त मसूद आलम ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ दी। इसके बाद रैली में आई भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की गई। जबकि प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं। यह झड़प बैतुल मुकर्रम मस्जिद के पास हुई। यह घटना उस समय हुई, जब तीन से पांच हजार प्रदर्शनकारी रैली में शामिल हुए और आजादी का एक ही रास्ता है, खिलाफत, खिलाफत जैसे नारे लगा रहे थे।

इस्लामी संगठन ने हाल ही में इंटरनेट मीडिया पर अभियान चलाया था। पर्चे बांटकर और पोस्टर लगाकर लोगों से रैली में शामिल होने की अपील की गई थी। इसे खिलाफत के लिए मार्च कहा गया था। हिज्ब उत तहरीर का कहना है कि वह समय के साथ सभी मुस्लिम देशों को एक एकीकृत इस्लामी देश या खिलाफत में एकीकृत करना चाहता है, जिसका नेतृत्व मुसलमानों द्वारा निर्वाचित खलीफा करेगा। इस संगठन को 2009 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार ने आतंक रोधी कानून के तहत सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए प्रतिबंधित कर दिया था। इसके बाद इस संगठन की ओर से यह पहली रैली निकाली गई।समाचार एजेंसी आइएएनएस के अनुसार, ढाका में अवामी लीग के एक और नेता के घर को निशाना बनाया गया। हिंसक भीड़ ने रात के दौरान घर पर धावा बोला और तोड़फोड़ की।

फिर विवादों में एयर इंडिया , बुजुर्ग महिला को नहीं दी व्हीलचेयर, गिरने से आंख-सिर में आई चोट, अस्पताल में भर्ती

नईदिल्ली, 08 मार्च (एजेंसी)।

देश की एयरलाइन एयर इंडिया एक बार विवादों में है। इस बार एक बुजर्ग महिला के गिरने के बाद एयर इंडिया सवालों के घेरे में आ गई है। दरअसल दिल्ली हवाई अड्डे पर गिरने के बाद 82 वर्षीय महिला को मस्तिष्क रक्तस्राव के लिए आईसीयू में निगरानी में रखा गया है। महिला के परिवालों का कहना है कि व्हीलचेयर पहले से एयर इंडिया द्वारा बुक की गई थी, व्हीलचेयर के लिए एक घंटे तक इंतजार करने के बाद उनको मना कर दिया गया। महिला के पति लेफ्टिनेंट जनरल थे, परिवार के सदस्यों के मुताबिक, 82 साल की बुजुर्ग महिला काफी दूर तक तो परिवार के सहारे चली लेकिन जब उसके पैर जवाब दे गए तो वह एयरलाइन के काउंटर के पास गिर गई। महिला की पोती ने आरोप लगाया कि उसे प्राथमिक उपचार नहीं दिया गया और व्हीलचेयर आने के बाद, वह खून बहते होंठ और सिर और नाक पर चोटों के साथ विमान में चढ़ी। पोती ने कहा कि उसकी दादी दो दिनों से आईसीयू में है और उसके शरीर का बायां हिस्सा कमजोर हो रहा है। महिला की पोती ने सोशल मीडिया पर एयर इंडिया पर निशाना साधा। इसके बाद पोती की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, एयर इंडिया ने कहा कि वह इस घटना को देखकर चिंतित है और महिला के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते है। एयरलाइन ने इस बात पर जोर दिया कि वह ÷इस चिंता पर सक्रिय रूप से काम कर रही है और जल्द से जल्द विवरण साझा करेगी।बुजुर्ग महिला की पोती पारुल कंवर ने लिखा कि उन्होंने मंगलवार के लिए दिल्ली से बेंगलुरु के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट बुक की थी। यात्रियों में उनकी 82 वर्षीय दादी भी थीं, जिनका नाम सुश्री कंवर द्वारा साझा किए गए टिकट के अनुसार राज पसरीचा है। टिकट में बुजुर्गों को व्हीलचेयर से विमान के दरवाजे तक लाने का प्रावधान होता है।

एक्स पर एक पोस्ट में, पोती पारुल कंवर ने लिखा कि उन्होंने मंगलवार के लिए दिल्ली से बेंगलुरु के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट बुक की थी। यात्रियों में उनकी 82 वर्षीय दादी भी थीं, जिनका नाम सुश्री कंवर द्वारा साझा किए गए टिकट के अनुसार राज पसरीचा है। टिकट में व्हीलचेयर से विमान के दरवाजे तक बुजुर्ग को पहुंचाना होता है। आगे कंवर ने लिखा कि मैं यह पोस्ट इसलिए कर रही हूं क्योंकि मेरे पास कोई विकल्प नहीं है, मानव जीवन और कल्याण का इतना कम मूल्य है।

युद्ध समाप्त करने के लिए यूक्रेन की तुलना में रूस से निपटना आसान, पुतिन को लेकर बड़ी बात बोल गए ट्रंप

वाशिंगटन। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एड़ी चोटी का दम लगा रहे हैं। इसी के साथ उनके लगातार बयान भी इस मुद्दे पर आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि युद्ध समाप्त करने के प्रयासों में उन्हें यूक्रेन की तुलना में रूस से निपटना आसान लगता है और आगे बोले कि उन्हें व्लादिमीर पुतिन पर भरोसा है। व्हाइट हाउस में एक टेलीविजन प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि मुझे उन पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि मुझे यूक्रेन से निपटना ज्यादा मुश्किल लग रहा है और उनके पास कार्ड नहीं हैं। रूस से निपटना आसान हो सकता है। ट्रंप ने पुतिन को लेकर कहा कि मुझे नहीं पता कि वे समझौता करना चाहते हैं।

वायुसेना का विमान बागडोगरा में क्रैश बाल-बाल बची क्रू मेंबर्स की जान

नईदिल्ली, 08 मार्च (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल के बागडोगरा इलाके में भारतीय वायुसेना का परिवहन विमान क्रैश हो गया। यह भारतीय वायुसेना का एएन-32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट था। विमान में सवार सभी क्रू मेंबर्स सुरक्षित बताए जा रहे हैं। एएन-32 रूसी ओरिजिन एयरक्राफ्ट है। जब विमान बागडोगरा में लैंड कर रहा था, तभी यह क्रैश हो गया। वायुसेना की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर विमान को सुरक्षित हटाने का काम किया जा रहा है। आज ही वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर भी शुक्रवार को पंचकूला के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित है। बाद में वायुसेना की तरफ से बताया गया कि विमान नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था। तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सेना के हेलीकाप्टर से पायलट को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि विमान ने अंबाला से उड़ान भरी थी। जानकारी के अनुसार, पायलट नवीन रेड्डी प्रशिक्षण उड़ान पर थे। शुक्रवार दोपहर 3.45 बजे पर वह पंचकूला के रायपुररानी और मोरनी क्षेत्र के बीच थे तो अचानक विमान अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूत्रबद्ध का परिचय देते हुए रेड्डी विमान को रिहायशी क्षेत्र से दूर मंडल्याण गांव की तरफ ले गए और पैराशूट की मदद से विमान से कूद गए। इससे पहले उन्होंने अपने उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दे दी थी।

बांग्लादेश में हिंसक चरमपंथियों की रिहाई पर भारत ने जताई चिंता, कहा- अब स्थिति और बदतर

नईदिल्ली, 08 मार्च (एजेंसी)।

भारत ने शुक्रवार को बांग्लादेश में हिंसक चरमपंथियों को रिहा किए जाने को लेकर चिंता जताई। साथ ही इस बात को रेखांकित किया कि यह अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ ही इनकी धार्मिक संस्थाओं की भी रक्षा करे। नई दिल्ली ने यह भी कहा कि वह स्थिर, शांतिपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील बांग्लादेश का समर्थन करता है, जहां सभी मुद्दों का समाधान लोकतांत्रिक तरीकों और समावेशी व भागीदारीपूर्ण चुनावों के माध्यम से किया जाए।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। यह स्थिति गंभीर अपराधों में सजा पाए हिंसक चरमपंथियों की रिहाई से और बदतर हो गई है। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में 5 अगस्त, 2024 से 16 फरवरी, 2025 तक दर्ज की गई 2374 घटनाओं में से सिर्फ 1254 की पुलिस द्वारा पुष्टि की गई है।

इन 1254 घटनाओं में से 98 प्रतिशत को राजनीतिक प्रकृति वाला माना गया है।जायसवाल ने कहा, हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश पूरी जांच करेगा और हत्या, हिंसा एवं आगजनी में लिप्त सभी अपराधियों को बगैर भेदभाव के न्याय के कठघरे में लाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले सप्ताह मॉरिशस की यात्रा करने जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 11 मार्च से मॉरिशस की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर रहेंगे और इस देश के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी भी समारोह में भाग लेगी।भारत और भूटान के बीच सीमा संबंधी कार्यों को लेकर बैठक हुई। यह दो दिवसीय बैठक शुक्रवार को नई दिल्ली में समाप्त हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब चीन की ओर से भूटान के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने बैठक की जानकारी शुक्रवार को दी।

प्रयागराज में शादी के तीसरे दिन दुल्हन ने दिया बच्चे को जन्म, ससुराल वाले स्तब्ध, रिश्ता टूटा

प्रयागराज। शादी के तीसरे ही दिन दुल्हन ने बच्चे को जन्म दिया तो ससुराल वाले स्तब्ध रह गए। इसके बाद दुल्हन के ससुरालियों और मायके वालों के बीच पंचायत बैठी और सबके दबाव पर रिश्ता खत्म करने पर सहमति बनी। इंटरनेट मीडिया पर इसका वीडियो प्रसारित हो रहा है। प्रयागराज जिले में करछना क्षेत्र के एक युवक की शादी घूरपुर क्षेत्र की युवती से तय हुई थी। 20 फरवरी को कन्या पक्ष के लोग दूल्हे के यहां तिलक चढ़ाने गए। धूमधाम से कार्यक्रम संपन्न हुआ। 24 फरवरी को दूल्हा बरात लेकर पहुंच गया। विवाह संपन्न होने पर दूसरे दिन दुल्हन विदा होकर ससुराल आ गई।26 फरवरी की शाम दुल्हन के पेट में दर्द उठा। उसने पति को इस बारे में बताया। पति ने सोचा कि शादी में खानपान के कारण पेट में दर्द उठा होगा। उसने मेडिकल स्टोर से दवा लाकर पत्नी को दी। दवा खाने के कुछ देर बाद नवविवाहिता को असहनीय पीड़ा होने लगी।

मध्य प्रदेश में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, नौ अधिकारियों समेत 107 पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

उज्जैन, 08 मार्च (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश में लोकायुक्त ने शुक्रवार को नौ अधिकारियों सहित 107 लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। अधिकारियों द्वारा बांध निर्माण में विस्थापित होने वाले लोगों को दिए जाने वाले विशेष पुनर्वास भत्ते में गड़बड़ी की गई है। नाबालिगों के नाम पर पांच-पांच लाख जारी कर दिए गए। इससे शासन को करीब 5.85 करोड़ रुपये की चपत लगाई गई है। लोकायुक्त डीएसपी राजेश पाटक ने बताया कि नलखेड़ा (आगर-मालवा) के ग्राम भंडावद में कालीसिंध नदी पर करोड़ों रुपये की लागत से कुंडालिया बांध बनाया गया था। बांध निर्माण के लिए गांव का विस्थापन किया जाना था। इसके अंतर्गत 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों एवं 18 वर्ष से अधिक उम्र की अविवाहित महिलाओं को ही पांच लाख रुपये का विशेष पुनर्वास भत्ता दिया जाना था। मगर ग्राम भंडावद के हितग्राहियों के अभिभावकों द्वारा अपने 18 वर्ष से कम उम्र के अवयस्क बच्चों के आवेदन पत्र के साथ पहचान एवं उम्र संबंधी दस्तावेज जैसे अंक सूची, आधार कार्ड, आदि में काट-छांट कर नाबालिग बच्चों को बालिग दर्शाया था।जांच कमेटी के अधिकारियों ने बिचौलियों के साथ मिलीभगत कर नियमों के खिलाफ जाकर गड़बड़ी कर मोटी रकम कमा ली थी। इससे शासन को 5.85 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। लोकायुक्त ने जांच के बाद नौ अधिकारियों, बिचौलियों एवं हितग्राहियों सहित कुल 107 लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन अधिनियम 2018) और भारतीय दंड विधान की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

राजस्थान में आदिवासियों का मतांतरण का प्रयास, चार लोग गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर आदिवासियों के मतांतरण करवाने के प्रयास का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है। प्रदेश में सिरोही जिले के रेवदर में गुरुवार रात करीब दस बजे प्रवचन सभा का आयोजन किया गया था।प्रवचन सभा में आदिवासियों को स्वास्थ्य ठीक करवाने और आर्थिक लालच देकर बुलाया गया था। प्रवचन सभा की जानकारी मिलने पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। पुलिस को भी सूचना दी गई।हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो एक सौ से अधिक आदिवासियों को एकत्रित कर ईसाई धर्म गुरू प्रवचन दे रहे थे। रेवदर पुलिस थाने के उप निरीक्षक रमेश दान चारण ने बताया कि मौके पर आदिवासियों को ईसाई धर्म से संबंधित साहित्य वितरित किया जा रहा था। बताया जा रहा था कि प्रार्थना सभा में नियमित रूप से आने और धर्म परिवर्तन करने पर सभी तरह के रोग समाप्त होंगे।

सीहोर में बदमाशों के हौंसले बुलंद, युवक को मारकर घर के बाहर फेंका, आक्रोशित लोगों ने मचाया हंगामा

बुधनी, 08 मार्च (एजेंसी)।

बीती रात शाहगंज थाना क्षेत्र के बकतरा में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। सुबह मामले की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल निर्मित हो गया, उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर हंगामा मचाया, तोडफोड़ की और सड़क पर खड़े हाथठेलों में आग लगाकर मार्ग जाम कर दिया। मौके पर तीन जिलों का भारी पुलिस बल पहुंचा और जैसे-तैसे मामला शांत कराया गया। अभी भी पुलिस तैनात है। जानकारी के अनुसार बीती देर रात बकतरा स्थित मछली बाजार में बीती रात बबलेश चौहान नामक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को बबलेश के घर के पास फैंका और फरार हो गए।इस हत्याकांड की खबर सुबह ग्राम में आग की तरह फैल गई। इस हत्याकांड से लोगों में आक्रोश का माहौल निर्मित हो गया। इस हत्याकांड के बाद किसार जाति के लोगों के बीच आक्रोश का माहौल निर्मित हो गया। बताया जाता है कि बकतरा के मछली बाजार बसोड़ मोहल्ला निवासी संजय अहिरवार शराब का अवैध कारोबार करता है। बीती रात बाजार मोहल्ला निवासी बबलेश चौहान उसके घर पर शराब पीने गया था। संभावना जताई जा रही है कि उस दौरान उनके बीच किसी बात पर विवाद हो गया। विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि संजय अहिरवार ने अपने साथी कपिल अहिरवार और कैलाश अहिरवार के साथ मिलकर बबलेश की जमकर पिटाई कर दी।इतने पर भी उनका मन नहीं भरा तो चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर दी और शव को बबलेश के घर से थोड़ी दूरी पर फैंककर फरार हो गए।

सुबह सड़क पर उतर आए ग्रामीण सुबह का उजाला होते ही यह घटना गांव में आग की तरह फैल गई। उत्तेजित परिजनों व ग्रामीणों की भीड़ सड़क पर उतर आई और दोषियों पर कार्रवाई की मांग करने लगी।हंगामे की सूचना मिलते ही बकतरा चौकी के अलावा शाहगंज थाना व नर्मदापुरम व रायसेन से भारी पुलिस बल मौके पर रवाना किया गया। उत्तेजित ग्रामीणों ने स्टेट हाइवे होशंगाबाद-बरेली मार्ग पर जाम कर दिया। इसके अलावा सड़क किनारे खड़े हाथठेले व गुमटियों को सड़क पर लाकर आग के हवाले कर दिया।पुलिस ने किसी तरह भीड़ पर काबू पाया। एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने बताया कि मामले को शांत कराते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों कैलाश अहिरवार, संजय अहिरवार और कपिल अहिरवार के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

तीन महीने में दुरुस्त होगी EPIC नंबरों की गड़बड़ियां, जारी होंगे विशिष्ट ईपिक नंबर

नईदिल्ली, 08 मार्च (एजेंसी)।

मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपिक) नंबरों में पिछले 25 सालों से चली आ रही गडबड़ी अगले तीन महीने में दुरुस्त हो जाएगी। जल्द ही इसे लेकर संबंधित राज्यों में अभियान शुरू होगा। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को इसे लेकर अहम घोषणा की है।चुनाव आयोग ने कहा कि राज्यों में एक जैसे ईपिक नंबरों का यह आवंटन वर्ष 2000 में किया गया था। हालांकि इससे न तो किसी भी मतदाता की भौगोलिक पहचान प्रभावित होती है और न ही इसका मतलब यह है कि ये सभी फर्जी मतदाता हैं।ईपिक नंबर के बावजूद मतदाता केवल उसी मतदान केंद्र पर वोट दे सकता है जिस मतदान केंद्र की मतदाता सूची में उसका नाम है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से हाल ही में इस मुद्दे को उठाए के बाद चुनाव आयोग ने तुरंत ही इसे लेकर सारी स्थिति साफ की थी। बताया था कि यह सिर्फ राज्यों की चूक है, जिन्होंने एक दूसरे मिलते-जुलते नंबरों की सीरीज आवंटित कर दी।आयोग के मुताबिक अब तक यह मुद्दा इसलिए सामने नहीं आया, क्योंकि ईपिक नंबर के आवंटन की कोई केंद्रीकृत व्यवस्था नहीं थी। हाल ही में जैसे ही ईपिक नंबरों को एक केंद्रीकृत प्लेटफार्म से जोड़ा गया, तो यह मामला सामने आया।

आयोग ने शुक्रवार को राज्यों को दिए गए निर्देश में कहा है कि वे जल्द ही एक समान ईपिक वाले नंबरों को जांच कर सामने लाएं। ऐसे नंबरों को जगह जल्द ही विशिष्ट ईपिक नंबर आवंटित किए जाएंगे। गौरतलब है कि बंगाल, गुजरात, हरियाणा और राजस्थान के कुछ जिलों में एक जैसे ईपिक नंबर की गड़बड़ी है। चुनाव आयोग ने तकनीकी टीमों और संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद अगले तीन महीनों में इस मुद्दे को सुलझाने का फैसला किया है।

कोयला खदान के मेहनती कामों में अद्वितीय योगदान दे रही महिलाएं

बैकुंठपुर क्षेत्र में कार्यरत हैं सैंकड़ो महिलाएं

चरचा कालरी। कोमल है कमजोर नहीं तू ,शक्ति का नाम ही नारी है जग को जीवन देने वाली मृत्यु भी तुझसे हारी है* महान कवि सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा लिखित यह कविता नारी शक्ति को समर्पित है और यह संदेश देती है की नारी केवल कोमलता और ममता की प्रतिमूर्ति नहीं बल्कि शक्ति संघर्ष और साहस की भी मिसाल है कविता की उक्त पंक्तियों को चरितार्थ कर रही हैं चरचा कालरी क्षेत्र में काम करने वाली मेहनती महिलाएं ,जो घर के कामकाज करने के अतिरिक्त प्रतिदिन खदान से संबंधित मेहनती कार्यों व अन्य कार्यों में भी अपने मजदूर साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपना अद्भुत और अद्वितीय योगदान दे रही हैं क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं यह संदेश देती हैं कि नारी को अबला नहीं सबला समझना चाहिए चरचा कालरी में लगभग 70 महिलाएं कार्यरत हैं जो मशीनिस्ट,वेल्डर, सुरक्षा गार्ड,हॉस्पिटल,ऑफिस आदि अन्य जगह में निरंतर अपनी बेहतर सेवाएं दे रही हैं चरचा कालरी के चर्चा ईस्ट वर्कशॉप में काम करने वाली महिलाएं अनीता, प्रमिला, दुलारी बाई ,धनेश्वरी आदि चर्चा वेस्ट कॉलरी में काम करने वाली श्रीमती सरस्वती ,परमेश्वरी आदि कर्मचारी महिलाएं प्रतिदिन दर्जनों की संख्या में लगभग 45 किलो वजनी बेल्ट रोलर को बनती हैं एवं स्वयं

उठाकर फिनिशिंग का काम करती है, लेथ मशीन चलती है वेल्डिंग का काम करती है और काम भी इतनी बारीकी से की लोग यह सोचने को मजबूर हो जाए इतना अच्छा प्रशिक्षण उन्हें कहां से मिला इसी क्रम में सुरक्षा विभाग में काम करने वाली महिलाएं श्रीमती लाल मुनी सुमन एक्का अंजन बाई मंजू अरुण छव्वा भाई बाई आदि हैं जो चर्चा काली के संपत्ति की सुरक्षा में पूरी तरह समर्पित है सुरक्षा विभाग में सुमन एक्का सहायक सुरक्षा उप निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं वहीं लाल मुनी प्रधान सुरक्षा प्रहरी हैं क्षेत्रीय चिकित्सालय चर्चा में विगत 35 वर्षों से श्रीमती एनी .पी .सजी मेट्रन इंचार्ज लगभग 30 वर्षों से सिस्टर मंजू और सिस्टर आराधना सैमुअल मेट्रन अपने कुशल व्यवहार व मिलनसार छवि से क्षेत्रीय चिकित्सालय का नाम रोशन कर रही हैं आराधना सिंबल कुशल मंच संचालक भी है और निरंतर सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में लगी रहती हैं क्षेत्र प्रबंधक कार्यालय में कार्यरत श्रीमती शांति दास गुप्ता अमृता सिंह आदि अकाउंट सेक्शन व सीएमपीएफ विभाग का काम बखूबी संभाल रही है चर्चा क्षेत्र को अपने सभी महिला कर्मचारियों पर बेहद गर्व है एसईसीएल के अतिरिक्त नगर पालिका शिवपुर चर्चा में भी लगभग 70 महिलाएं कार्यरत हैं जो क्षेत्र की सफाई व्यवस्था रोजगार सृजन व अन्य कार्यों में लगी हुई है महिलाओं का योगदान केवल परिवार या सामाजिक दायरे तक सीमित नहीं है बल्कि वह हर क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रही हैं।

8 मार्च को विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है यह दिन महिलाओं की शक्ति और साहस का उत्सव है साथ ही महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने ,उनके संघर्षों को याद करने और समाज में लैंगिक सामान्य और न्याय के लिए एक संदेश देने का अवसर होता है यह दिन हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि कैसे हमने महिलाओं के अधिकारों और उनके योगदान को मान्यता दी है और साथ ही उन बाधाओं को चुनौती देने का भी अवसर है जो महिलाओं के समग्र विकास में अर्चने डालते हैं देश में महिलाओं ने उल्लेखनीय प्रगति की है फिर भी कई क्षेत्रों में चुनौतियां विद्यान है जैसे लैंगिक भेदभाव शिक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा आदि है इन चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए सरकारी नीतियों गैर सरकारी संगठन और समाज के हर वर्ग को मिलकर काम करना आवश्यक है।

चर्चा खदान में महिलाएं न केवल मेहनती और तकनीकी कार्यों में उत्कृष्टता दिखा रही हैं बल्कि सुरक्षा, स्वास्थ्य ,प्रशासन, लेखा जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के बीच जिम्मेदारी निभा रही है उनकी प्रतिबद्धता और मेहनत हमारे संस्थान की सबसे बड़ी संपत्ति है हम उनके योगदान की सराहना करते हैं नौकरी में आने वाली अधिकांश महिलाएं ग्रहणी रहती हैं हम उन महिलाओं को स्किल डेवलपमेंट के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर प्रशिक्षण देते है जिससे वे बेहतर कार्य कर सकें, उन्हें समस्त सुविधा प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है इस हेतु हम प्रतिबद्ध है।

जितेंद्र कुमार
सहक्षेत्र प्रबंधक चरचा कालरी

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने रायपुर में कला का प्रदर्शन किया

अंबिकापुर। राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अंबिकापुर के 2024 बैच के 28 छात्रों ने बालाजी मेडिकल कॉलेज, रायपुर में आयोजित अंतर चिकित्सा महाविद्यालय प्रतियोगिता में 07.03.2025-08.03.2025 को अपनी कला का प्रदर्शन किया। छात्रों ने डीन डॉ. अविनाश मेश्राम के मार्गदर्शन में विभिन्न कला रूपों में भाग लिया।छात्रों ने निम्नलिखित विषयों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। रंगोली श्रेया वर्मा और साक्षी कंवर ने नशे को ना कहें और दहेज प्रथा बंद करो जैसे सामाजिक मुद्दों पर रंगोली बनाई। नाटक- स्नेहिल, सौम्या, अमन, अभिज्ञान, वंश यादव, वंश सोमरा, अनिकेत, अक्षत, मंजू और किरण ने नीट यूजी 2024-25 घोटाला जैसे ज्वलंत मुद्दों पर एक नाटक प्रस्तुत किया। एक्सटेम्पोर भाषण- अमृता मिश्रा और सृष्टि खटकवार ने जिंदगी में सारा झगड़ा ही ख्वाहिशों का है, जीवन के भाग दौड़ में जिंदगी के लम्हे न भूले विषय पर एक्सटेम्पोर भाषण दिया। स्पॉट पेंटिंग- हिमानी कुर्रे ने स्पॉट पेंटिंग की। छात्रों ने अपनी कला के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। उनकी प्रस्तुतियों को दर्शकों ने खूब सराहा।

डॉ मिश्र को हिंदी की सेवा के लिए प्रचारिणी सभा से मिला सम्मान

जबलपुर । प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा हिंदी सेवी सम्मान की श्रृंखला में डॉ कर्नल आदि शंकर मिश्र आदित्य को हिंदी सेवी सम्मान प्रदान किया है। कवि संगम त्रिपाठी ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि डॉ कर्नल आदि शंकर मिश्र आदित्य कलम के माध्यम से हिंदी का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। आदित्य जैसा उनका नाम है वैसा ही उनकी रचनाओं में प्रकाश भी है। डॉ कर्नल आदि शंकर मिश्र आदित्य शब्दों के जादूगर है। उनकी रचनाओं में चिंतन व अध्यात्म का संगम है। राष्ट्रप्रेम की धारा उनकी रचनाओं से सतत प्रवाहित होती है।डॉ कर्नल आदि शंकर मिश्र आदित्य को हिंदी सेवी सम्मान प्रदान करने पर डॉ धर्म प्रकाश वाजपेई, प्रदीप मिश्र अजनबी, डॉ विजय कुमार, डॉ लाल सिंह किरार, माला अज्ञात, राजकुमारी रैकवार राज, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, अजय पांडेय आदि ने बधाई दी है।

जिले में दिव्यांगजन व वृद्धजन के लिए शिविर लगेंगे

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले में दिव्यांगजन एवं वृद्धजन के कल्याण के लिए जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

दो दिवसीय यह शिविर 9 मार्च को बैकुंठपुर के जिला पंचायत आडिटोरियम और 12 मार्च को सोनहत विकासखंड में आयोजित होगा। आज कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने कलेक्ट्रेट परिसर से शिविर कार्यक्रम के प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस प्रचार रथ के माध्यम से 9 मार्च को बैकुंठपुर एवं 12 मार्च तक सोनहत विकासखंड के विभिन्न गांवों में दिव्यांग वृद्धजन के संबंध में जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर ने अधिकारियों को ग्राम पंचायतों के सचिव और सरपंचों को भी शिविर की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के निर्देश दिए गए, ताकि दिव्यांगजन एवं वृद्धजन इस निशुल्क शिविर का लाभ उठा सकें।

इस शिविर में दिव्यांगजनों के लिए यूडीआईडी कार्ड बनवाने, सहायक उपकरण वितरण, व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु हितग्राही चयन, वृद्धजनों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, श्रम पंजीयन तथा अन्य शासकीय योजनाओं के लिए पात्रता अनुसार पंजीयन जैसी सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।

जनपद अध्यक्ष की स्कार्पियो स्कूल बस से टकराई

बलरामपुर। नव निर्वाचित जनपद अध्यक्ष की स्कार्पियो स्कूल बस से टकरा गई, हादसे में वाड्फनगर जनपद अध्यक्ष शशि सिंह गंभीर रूप से घायल हो गई, वहीं बस में सवार स्कूली बच्चों को भी चोट आई है। दुर्घटना वाड्फनगर के मदनपुर गांव में घटित हुई. जनपद अध्यक्ष शशि सिंह स्कार्पियो में सवार होकर जा रही थी, रास्ते में बच्चों को घर छोड़ने जा रही एम्बिशन पब्लिक स्कूल की बस से जोरदार टक्कर हो गई. इधर शशि सिंह के सिर पर चोट आई, उधर बस में सवार पांच बच्चों को भी चोट आई है. सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया. वाड्फनगर पुलिस घटना की जांच में जुट गई है.

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित हाई स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष-2025 कक्षा 10 वीं के विषय गणित (100) की परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के लिए सूरजपुर जिले के निर्धारित 73 परीक्षा केन्द्रों में कुल परीक्षार्थी की दर्ज संख्या-10201, उपस्थित-9863, अनुपस्थित-338 रहे। जिले में समस्त परीक्षा केंद्रो में परीक्षा सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई एवं कोई नकल प्रकरण दर्ज नही किया गया। भारती वर्मा जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर के द्वारा निम्नांकित परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। जिनमें परीक्षा केन्द्र क्रमांक-741073 सेजेस/शा.बा.उ.मा.वि. रामानुजनगर, वि.ख. रामानुजनगर कुल दर्ज परीक्षार्थियों की संख्या-217 उपस्थित-212 एवं अनुपस्थित-5, परीक्षा केन्द्र क्रमांक-741072 शा.कन्या उ.मा.वि. रामानुजनगर, वि.ख. रामानुजनगर कुल दर्ज परीक्षार्थी की संख्या-331 में से उपस्थित-324 एवं 7 अनुपस्थित, परीक्षा केन्द्र क्रमांक-741147 शा.उ.मा.वि. गणेशपुर में दर्ज-227 में से उपस्थित-212 एवं अनुपस्थित-15, परीक्षा केन्द्र क्रमांक-741060 शा.उ.मा.वि. प्रेमनगर, वि.ख. प्रेमनगर में कुल दर्ज-143 उपस्थित-143 एवं अनुपस्थित शून्य, परीक्षा केन्द्र क्रमांक-741070 सेजेस प्रेमनगर वि.ख. प्रेमनगर में कुल दर्ज परीक्षार्थियों की संख्या-48 में शत प्रतिशत उपस्थिति पाई गई।

कोरिया जिले में पंचायत चुनाव में अच्छे प्रदर्शन से प्रमुख दलों के करीब आने में सफल हुई गोंगपा

कोरिया बैकुंठपुर। जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में राजनीति के गढ़ क्षेत्र पहचान रखने वाला पटना चौरासी से लगा ग्राम- बर्दिया के राजाराम जाता जिला- अध्यक्ष गोंगपा कोरिया ने अपने पुत्रवधू कामिनी जांता को गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से समर्थित उम्मीदवार बनाए जाने पश्चात बीजेपी,कांग्रेस को कड़ा टक्कर देते हुऐ शानदार जीत हासिल किये। राजनीति के साथ-साथ समाज नीति में भी मजबूत पैठ रखने वाले जांता ने जनपद पंचायत अध्यक्ष हेतु ऐसी कूट रचना रची जिससे भाजपा,कांग्रेस को मात देते हुवे बाजी लाल सवेती को जनपद पंचायत बैकुंठपुर अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाकर महज एकमत से पीछे रहे। जांता के राजनीति संरचना एवं कुशल नेतृत्व क्षमता से गोंडवाना गणतंत्र पार्टी संगठन को नई ऊर्जा,आयाम प्राप्त है एवं जिला अध्यक्ष के कार्य कुशलता से संगठन के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। जांता के साथ चुनावी टीम मेंबर्स- जवाहरलाल यादव जिला- अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ कोरिया। गोरेलाल सिंह किसान- मोर्चा जिला- अध्यक्ष कोरिया। सुनील सिंह आयाम तर कोरिया। शिवकुमार यादव आईटी सेल प्रभारी कोरिया। वंश राज सिंह पोया नेता कोरिया। किशुन टोप्पो संगठन मंत्री संजय कुर्रे जिला प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी कोरिया।

परामर्शदात्री समिति की बैठक 19 को

सूरजपुर। जिला सूरजपुर अंतर्गत कर्मचारियों के समस्याओं के निराकरण के संबंध में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में 19 मार्च को जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक प्रात: 11:00 बजे आहूत की जायेगी। निर्धारित समय पर बैठक में सम्मिलित होना सुनिश्चित करें साथ ही निर्देशित किया गया है, कि सर्व कर्मचारी संघ 13 मार्च तक वर्तमान में विद्यमान मांग/समस्याओं के संबंध में सूची अनिवार्य रूप से जिला कार्यालय स्थापना शाखा में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन को चर्चा में सम्मिलित नही किया जाएगा।

जनपद पंचायत ओड़गी एवं प्रेमनगर के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन सम्पन्न

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन के दिशानिर्देश और मार्गदर्शन में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 के तहत जनपद पंचायत ओड़गी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन सम्पन्न हुआ। जिसमें पीठासीन अधिकारी सुरेश राँय, सहायक नृपेन्द्र सिंह और पूरी टीम का कार्य अच्छा रहा। पुलिस प्रशासन एडीओपी राजेश जोशी, सौरभ उइके और पूरी टीम का सहयोग रहा। इसी तारतम्य में जनपद पंचायत प्रेमनगर में भी जनपद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के लिए निर्वाचन संपन्न कर लिया गया। जिसमें फुलेश्वर सिंह सिदार को अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर बाबूलाल अग्रवाल व अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज योगासन प्रतियोगिता 2025 राम प्रताप राजवाड़े ने जीता गोल्ड मेडल

सूरजपुर। राष्ट्रीय स्तर पर चंडीगढ़ में 5 मार्च से 8 मार्च तक आयोजित ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज योगासन प्रतियोगिता 2025 में स्वास्थ्य विभाग में सुपरवाइजर पद पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भटगांव , सूरजपुर में पदस्थ राम प्रताप राजवाड़े 50 प्लस ऐज ग्रुप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले दिन ट्रेडिशनल सोलो इवेंट में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल एवं दूसरे दिन आर्टिस्टिक सोलो इवेंट में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ राज्य को गोल्ड मेडल दिलाकर सूरजपुर जिले के साथ पूरे छग का नाम रोशन करने पर राम प्रताप राजवाड़े को बधाई दी गई।

फायरिंग का जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। गर्लफ्रेण्ड को लेकर हुए विवाद में जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को रायपुर पुलिस ने तेजी से गिरफ्तार किया। इस मामले में मुख्य आरोपी सहित कुल 04 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने घटना के केवल दो घंटे बाद ही आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की, और शहरभर में नाकेबंदी कर सभी संभावित मार्गों पर चेकिंग की। पुलिस के मुताबिक, 5 मार्च 2025 को ''गर्लफ्रेण्ड'' को लेकर प्रभजीत सिंह और जसपाल सिंह के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद, 6 मार्च 2025 को दोनों पक्षों के बीच मामले को सुलझाने के लिए एक बैठक तय की गई थी। इसी दौरान, जसपाल सिंह और उसके परिवार के सदस्य जसपाल सिंह, जरनैल सिंह उर्फ लाली, हरप्रीत सिंह के साथ मिलकर प्रभजोत सिंह और उसके साथी मदनजीत सिंह पर जानलेवा हमला करने की योजना बनाई।

बुढ़ार की स्वच्छता नायिकाओं ने गांव की तस्वीर बदली, मिली नई पहचान

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर जनपद की ग्राम पंचायत बुढ़ार आज स्वच्छता और कचरा प्रबंधन की मिसाल बन चुकी है। इस बदलाव की नायिकाएं हैं श्रीमती अंजली बाई, हिरामनी, मित्तल बाई और लीलावती दीदी, जिन्होंने अपनी कर्मठता और संकल्प से गांव में स्वच्छता की अलख जगाई।

ग्राम पंचायत बुढ़ार के सरपंच पुरन सिंह पैकरा ने जब स्वच्छ भारत मिशन से प्रेरित होकर गांव को साफ-सुथरा और आदर्श पंचायत बनाने का निर्णय लिया, तब इन ग्रामीण महिलाओं ने इस पहल का नेतृत्व करने का संकल्प लिया। लेकिन यह राह आसान नहीं थी। शुरुआत में गांव के लोगों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। स्वच्छता को लेकर उदासीनता, कचरा प्रबंधन की समझ का अभाव और सामाजिक रूढ़ियों के चलते इन महिलाओं को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कुछ लोगों ने उनके प्रयासों का उपहास भी किया, लेकिन इन दीदियों ने हार नहीं मानी।

इन्होंने घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाया, लोगों को यह समझाया कि कचरे का सही निपटान न केवल पर्यावरण, बल्कि उनके स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। उनकी मेहनत रंग लाई और धीरे-धीरे गांव वाले इस अभियान में सहयोग देने लगे। ग्राम पंचायत ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की मदद से महिला समूहों को कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी और उन्हें रिक्शा उपलब्ध कराया। अब ये महिलाएं हर बुधवार और शनिवार को घर-घर जाकर कचरा एकत्र करती हैं और उसे सॉलिड एंड लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर में ले जाती हैं, जहां कचरे को अलग-अलग वर्गों में विभाजित किया जाता है। इन प्रयासों का आर्थिक लाभ भी दिखने लगा। पिछले कुछ महीनों में इन महिलाओं ने 350 किलोग्राम सूखा कचरा और 57 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा बेचकर समूह के लिए 22 हजार रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित की। इस आय का उपयोग गांव की स्वच्छता सुविधाओं को और बेहतर बनाने में किया जा रहा है। इन दीदियों की मेहनत और ग्रामवासियों के सहयोग से ग्राम पंचायत बुढ़ार को 14 अगस्त 2024 को ओडीएफ प्लस मॉडल पंचायत घोषित किया गया। यह सफलता दिखाती है कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो केवल उनका परिवार ही नहीं, पूरा गांव सशक्त होता है। जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा- स्वच्छता केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक आदत होनी चाहिए। जल, जंगल और जमीन को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त करना हम सभी की जिम्मेदारी है। बुढ़ार की ये महिलाएं पूरे जिले के लिए प्रेरणादायक उदाहरण हैं। जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा गांव की ये महिलाएं न केवल अपने गांव को स्वच्छ बना रही हैं, बल्कि समाज को भी एक नई दिशा देने में सफल हो रही हैं। श्रीमती अंजली बाई, हिरामनी, मित्तल बाई और लीलावती दीदी जैसी महिलाएं यह साबित कर रही हैं कि यदि संकल्प और मेहनत हो, तो कोई भी बदलाव असंभव नहीं है। उनकी यह पहल न सिर्फ गांव को स्वच्छ बना रही है, बल्कि यह भी दिखा रही है कि महिला नेतृत्व समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। ग्राम बुढ़ार की ये महिलाएं साबित कर रही हैं कि जब नारी ठान ले, तो बदलाव अवश्य संभव होता है। महिला दिवस के इस अवसर पर, ये दीदियां न केवल अपने गांव बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

विरोध बेअसर, निगम सभापति के लिए भाजपा ने हितानंद को उतारा मैदान में

कोरबा। भाजपा नेता और बालको नगर क्षेत्र से तीसरी बार रिकॉर्ड से चुनाव जीतने वाले हितानन्द अग्रवाल नगर निगम सभापति की रेस में सबसे भारी पड़े। तमाम विरोध और सभी प्रकार की अटकल को खारिज करते हुए भाजपा ने उन्हें अंतिम समय में प्रत्याशी घोषित कर दिया। खबर के मुताबिक भाजपा से नूतन सिंह ठाकुर ने भी फार्म लिया है। जबकि निर्दलीय अब्दुल रहमान चुनाव मैदान में कूद रहे हैं।

नगर निगम कोरबा से भाजपा की संजू देवी राजपूत 47000 से ज्यादा मतों के अंतर से निर्वाचित हुई है जिन्होंने अब तक के सभी चुनाव में जीत के अंतर का रिकॉर्ड ब्रेक किया है। नगर निगम के प्रथम सम्मेलन से पहले सभापति का चुनाव आवश्यक था जिसकी प्रक्रिया शनिवार को दोपहर 1 बजे प्रारंभ कराई गई। नगर निगम के 67 वार्ड में अकेले 45 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के पार्षद जीतकर आए हैं इसलिए यहां भाजपा कायम है और उसके कोटे का सभापति बनना लगभग तय माना जा रहा है। महापौर निर्वाचन के बाद से इस पद को लेकर कई प्रकार की अटकले लगाई जा रही थी और कई दावेदार इस मामले में थे। वरिष्ठ के आधार पर भाजपा के कुछ पार्षद लगातार अपने बड़े नेताओं के संपर्क में रहे और जमीन मजबूत की। शनिवार को सभापति चुनाव की प्रक्रिया के दौरान कुछ पार्षदों के द्वारा अग्रवाल के नाम का विरोध किया गया। सूत्रों ने बताया कि अशोक चावलानी और कुछ अन्य चेहरों को आगे बढ़ाने की कोशिश की गई लेकिन या नाकाम रही। अंतिम चरण में पार्टी की ओर से अग्रवाल के नाम की घोषणा प्रत्याशी के तौर पर करने की जानकारी भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा ने दी। इस चुनाव में कांग्रेस से नामांकन भरने वाले गोपाल कुर्रे के द्वारा अंतिम क्षण में नाम वापस ले लिया गया क्योंकि उनके पास केवल 11 पार्षद है । चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी का असर प्रतिक्षित है।

मानिकपुर में आदिवासी की निजी जमीन को हड़पने की कोशिश में लगे हैं कई लोग

सीमांकन के दौरान भी बाधा पहुंचाई थी

कोरबा। छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार जनजाति समाज को बेहतर सम्मान देने के लिए काम कर रही है, इस प्रकार के दावे लगातार हो रहे हैं। इन सब के बीच विभिन्न क्षेत्रों में आदिवासी वर्ग के लिए समस्याएं बनी हुई है। कोरबा जिले के शहरी क्षेत्र अंतर्गत मानिकपुर में निवासरत खीकराम उराँव इस बात से चिंतित है कि कहीं उसकी जमीन हड़प न ली जाए क्योंकि कई लोग लगातार इस प्रकार के काम में लगे हुए हैं। उसने प्रशासन से इस प्रकरण में रुचि लेने के साथ आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

यह मामला कोरबा तहसील से जुड़ा हुआ है । खबर के अनुसार अनुसूचित जनजाति वर्ग में आने वाले खिखराम उरांव एवं अन्य खातेदारों के शामिलाल खाते की भूमि ग्राम-दादर, तिवारी फार्म हाउस के आगे, हनुमान मंदिर से लगी हुई भूमि खसरा नंबर 848 रकबा 0.400 एकड़ में कुछ अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा बलात कब्जा किया जा रहा है। इस बारे में तहसीलदार कोरबा एवं कलेक्टर कोरबा के समक्ष जनदर्शन में सीमांकन किये जाने हेतु आवेदन किया गया था। तहसीलदार कोरबा द्वारा सीमांकन किये जाने हेतु ज्ञापन जारी किया गया था। सीमांकन कार्य के दौरान कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा विवाद उत्पन्न किया गया. जिस कारण आज दिनांक तक सीमांकन कार्य लंबित है। गत दिवस मैं अपने भूमि के पास गया हुआ था देखा कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा उक्त भूमि में गढ्ढ़ा खोद रहे हैं एवं निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। मना किये जाने पर उक्त व्यक्तियों के द्वारा वाद विवाद कर गाली-गलौच करते हुए जाओ जहां जाना है कहते हुए मुझे धक्का मारकर मौका स्थल से भगा दिया गया।

महोदय, मेरे स्वत्व व आधिपत्य की भूमि को पूर्व में कोरबा के एक व्यक्ति द्वारा उक्त भूमि संबंधी कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अपने नाम पर करा लिया गया था जिस पर शिकायत उपरांत कार्यवाहीं किये जाने पर उसे दोषी पाया गया है उसे 07 साल का कारावास की सजा सुनाई गई है एवं कलेक्टर कोरबा के द्वारा उक्त भूमि को मेरे पिता के नाम पर स्वामित्व सौंप दिया गया था। वर्तमान में पुनः मेरे उक्त पैतृक भूमि को किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा कब्जा किया जा रहा है। पीड़ित ने कहा कि वह आदिवासी गरीब व्यक्ति हूं एवं उक्त पैतृक भूमि के अलावा अन्य कोई भूमि नहीं है। उसे भी उक्त अज्ञात अपराधिक किस्म के व्यक्तियों द्वारा कब्जा कर लिये जाने से में भूमिहीन हो जाऊंगा। उपरोक्त आवेदन पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए तत्काल अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किये जा रहे अवैध निर्माण कार्य रोके जाने हेतु संबंधित को आदेशित किया जाए।

निशान यात्रा कल, ट्विंकल की भजन प्रस्तुति 10 को

कोरबा। खाटू श्याम बाबा का फाल्गुन उत्सव स्थानीय स्तर पर धूमधाम से मनाने के लिए तैयारी की जा रही है। इसके अंतर्गत 9 मार्च को भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। कई प्रकार के आकर्षण इसमें शामिल होंगे। श्याम मंदिर मिशन रोड पहुंचकर यात्रा पूर्ण होगी।

श्याम मित्र मंडल की ओर से यह आयोजन पिछले कई वर्षों से हो रहा है। इस वर्ष भी निशान यात्रा में 551 मनोकामना निशान शामिल किए जा रहे हैं। इसके लिए अंतिम रूप से 6 मार्च तक पंजीकरण की व्यवस्था श्याम मित्र मंडल की ओर से कराई गई इस तिथि तक जिन बंधुओ ने अपना पंजीकरण कराया है, उन्हें ही निशान यात्रा में ध्वज की पात्रता होगी। श्याम मित्र मंडल की ओर से जानकारी दी गई कि अशोक मित्तल के निवास से शाम 3-00 बजे निशान यात्रा का शुभारंभ होगा। इससे पहले यहां भगवान की पूजा अर्चना की जाएगी। ढोल बाजा और कई आकर्षक झांकियां भी इसमें शामिल की जा रही है जो अपना विशेष आकर्षण पेश करेंगे। रात्रि 8-00 बजे श्याम मंदिर पहुंचकर निशान यात्रा पूर्ण होगी। इसके बाद यहां खाटू श्याम बाबा की आरती की जाएगी।

श्याम मित्र मंडल के स्पोक पर्सन ने बताया कि फाल्गुनी एकादशी के अंतर्गत 10 मार्च को श्याम भक्ति गीतों की प्रस्तुति मंदिर परिसर में होगी। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली से इस हेतु जानी-मानी कलाकार ट्विंकल शर्मा को आमंत्रित किया गया है। वे अपनी टीम के साथ भक्ति में गीतों की अविरल निर्मल धारा को प्रवाहित करेंगे। रात्रि 9-00 बजे से यह कार्यक्रम प्रारंभ होगा और मध्य रात्रि तक चलेगा। इस पूरे आयोजन के लिए श्याम मित्र मंडल की ओर से खास तैयारी की गई है। श्याम बाबा के प्रति अटूट आस्था रखने वाले लोगों ने पूरे समर्पण से इस आयोजन में अपना सहयोग दिया है। मुख्य समारोह में हजारों की संख्या में धर्मानुरागियों की उपस्थिति का अनुमान है और इसी को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध आयोजन स्थल पर किए जा रहे हैं।

सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर बिजली कर्मियों ने एचटीपीएस में धरना दिया

आरोप --15 मांगों पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

कोरबा। स्थानीय और मुख्यालय स्तर पर लंबित 15 सुत्रीय मांगो को लेकर बिजली कर्मचारी संघ ने प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन किया। सीएसईबी पश्चिम पॉवर प्लांट में उत्पादन कार्यालय के बाहर कर्मचारियों ने प्रबंधन के खिलाफ अपनी मांगो को लेकर चेयरमैन के नाम मुख्य अभियंता को ज्ञापन सौंपा। बिजली कर्मचारी चाहते हैं,कि पुरानी पेंशन व्यवस्था को फिर से बहाल किया जाए,तीन प्रतिशत तकनीकी भत्ता देने के साथ ही तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की रुकी हुई पदोन्नती प्रक्रिया को बहाल किया जाए।

नगरीय निकाय और त्रिस्तीय पंचायती चुनाव के समापन के बाद विभिन्न संगठन अपनी मांगो को लेकर सरकार पर दबाव बनाने लगे है। पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन किया और अब बिजली कर्मचारी संघ ने प्रबंधन और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करना शुरु कर दिया है। सीएसईबी पश्चित पॉवर प्लांट के भीतर उत्पादन कार्यालय के बाहर 15 सुत्रीय मांगो को लेकर बिजली कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। स्थानीय और मुख्यालय स्तर पर उनकी मांगे शामिल है,जिसमें मुख्य रुप से पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करना,इंजीनियरों की तर्ज पर तकनीकी भत्ता प्रदान करना,तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की रुकी हुई पदोन्नती प्रक्रिया को बहाल किये जाने की मांग के साथ ही और भी कई मांगे बिजली कर्मचारियों की है।

अपनी मांगो को लेकर उनके द्वारा नारेबाजी की गई फिर चेयरमैन के नाम मुख्य अभियंता को ज्ञापन सौंपा। बिजली कर्मचारियों का यह भी कहना है,कि प्रबंधन विभागीय स्कूलों में भर्ती प्रक्रिया को बंद कर धीरे धीरे स्कूलों में ताला लगाने की कोशिशें में जुटा हुआ है,जिस पर तत्काल रोक लगना चाहिए। इतना ही नहीं कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक कॉलोनी परिसर में सीबीएसई पैटर्न का नया स्कूल बनवाना चाहिए ताकी उन्हें अच्छी शिक्षा मिल सके। मांगो को लेकर प्रबंधन ने ध्यान नहीं दिया तो कर्मचारियों ने आंदोलन करने की बात कही है।

परसाखोला क्षेत्र में मूंगफली को रौंद मोहनपुर पहुंचा हाथियों का दल

कोरबा। जिले के कोरबा वनमंडल के बालको परिक्षेत्र में विचरण कर रहे 12 हाथियों का दल अब चुईया के रास्ते अजगर बहार सर्किल के मोहनपुर गांव के निकट पहुंच गया है। हाथियो के दल को आज सुबह यहां के जंगल में विचरण करते हुए देखा गया । हाथियो के मोहनपुर पहुंचने की जानकारी मिलते ही वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर निगरानी में जुट गए है। मोहनपुर अजगर बहार सहित आसपास के गांव में मुनादी कराने का काम शुरू कर दिया गया है। ग्रामीणों को हाथियों के क्षेत्र में आने की जानकारी देते हुए उनसे जंगल न जाने की अपील की जा रही है।

तीसरे दिन युवक का शव मिला हसदेव में

कोरबा। कोरबा जिले के बांगो पुलिस थाना के अंतर्गत मोरगा में अंकित जायसवाल नामक युवक का शव हसदेव नदी में मिल गया है ।वह पत्थर के पास अटका हुआ मिला। तीसरे दिन इसकी तलाश हो सकी। पुलिस ने पंचनामा के साथ इस मामले में मर्ग कायम किया और मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जिला मुख्यालय कोरबा से लगभग 100 किलोमीटर दूर 3 दिन पहले यह घटना हुई थी । अंकित जायसवाल अकेले ही नहाने के लिए इस इलाके में बहने वाली हसदेव नदी में गया हुआ था । नदी का फ्लो ज्यादा होने पर वह एक उसी के साथ हो लिया और किनारे नहीं आ सका। अंकित के पिता जोगेंद्र जायसवाल उत्तर प्रदेश और झारखंड को छत्तीसगढ़ से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे संख्या 130बी पर मोरगा पर ढाबा का संचालन करते हैं। पिछले के वर्षों से वह यहां पर मौजूद है। घटना दिवस को काफी समय तक अंकित की वापसी नहीं होने पर उन्होंने संज्ञान लिया और यहां वहां तलाश की। उसके नदी जाने के बारे में जानकारी थी जिस पर वहां का रुख किया गया। स्थानीय पुलिस चौकी प्रभारी मरकाम को अवगत कराया गया। पहले दिन स्थानिय गोताखोर की मदद अंकित की तलाश में ली गई। इसी प्रकार के नतीजे नहीं आने पर दूसरे दिन छत्तीसगढ़ होमगार्ड कोरबा यूनिट और स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्ड फोर्स को इस काम में लगाया गया तब भी लापता अंकित का कोई पता नहीं चल सका। शनिवार को सुबह हसदेव के किनारे सर्च ऑपरेशन तेज किया गया। ग्रामीण भी स्थानीय आधार के कारण यहां इकट्ठे हो गए थे। इस दौरान एक चट्टान के पास शव देखा गया, जो दूरी से बहते हुए यहां पर आकर अटक गया था। इसकी पहचान जल्द ही इसकी पहचान अंकित जायसवाल के रुप में की गई। पुलिस ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा के अंतर्गत मर्ग कायम कर लिया गया है और अगली कार्रवाई की जा रही है।

हादसे में पुलिस कर्मी की मौत

कोरबा। बीती रात हुए जबरदस्त सड़क हादसे में एक पुलिस आरक्षक की दर्दनाक मौत हो गई।

हादसा बांकीमोंगरा जवाली मुख्य मार्ग पर हुआ है, जहां अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार आरक्षक भूपेंद्र कंवर का अंत हो गया। मृतक दीपका थाना में पदस्था और कटघोरा थाना क्षेत्र के कदोरा गांव का निवासी था। बताया जा रहा है,कि मृतक अपने घर से नाईट ड्युटी पर जाने के लिए घर से निकला हुआ था। इसी दौरान रास्ते में हादसा हो गया। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल आरक्षक को कटघोरा के अस्पताल में भर्ती करवाया,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बालको की उत्तरोत्तर प्रगति में महिला कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका

कोरबा/बालको नगर। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) महिला कर्मचारियों के योगदान और उपलब्धियों का सम्मान करता है। कंपनी महिलाओं की शक्ति, संघर्ष और सफलता को को पहचानते हुए निरंतर उन्हें अपने कार्यबल में शामिल किया है। कंपनी ने महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षा देने का प्रयास किया है। महिला कर्मचारियों ने अपने कौशल के माध्यम से बालको के उत्तरोत्तर प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी से जुड़ी महिला कर्मचारियों की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

सोनाली प्रियदर्शिनी, माइनिंग इंजीनियर, वेदांता बालको की यात्रा, दृढ़ता और परिवार के अटूट समर्थन की यात्रा है। सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, क्योंझर, उड़ीसा के खनन इंजीनियरिंग विभाग में पहली महिला छात्राओं के समूह का हिस्सा बनीं। इस क्षेत्र में बढ़ाया कदम व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ अन्य लड़कियों के लिए प्रेरणादायी बना। आज वो वेदांता बालको में एक गौरवशाली खनन इंजीनियर के रूप कार्यरत हैं। उनकी कहानी बाधाओं को तोड़ने और एक ऐसे उद्योग में एक अनूठा रास्ता बनाने की है जहाँ महिलाओं का अक्सर कम प्रतिनिधित्व होता है। करियर में आगे बढ़ते हुए उन्होंने एक बेहतर भविष्य के साथ ही अगली पीढ़ी की लड़कियों को प्रेरित भी किया है।

बालको प्लांट में प्रवेश करते ही प्रवेश द्वार पर मिलती हैं शांत, आत्मविश्वास और शालीनता की पहचान सुरक्षा गार्ड सुमन बंजारे। छत्तीसगढ़ी परिवार में एक लड़के के रूप में जन्मी, उन्हें हमेशा लगता था कि उनके अंदर कुछ ऐसा है जो आस-पास की दुनिया से मेल नहीं खाता। वह जानती थी कि वह बाकियों से अलग एक ट्रांस महिला हैं। दोस्त से मिली जानकारी पर उन्हें बालको में नौकरी के लिए साक्षात्कार दिया और चयन हो गया जो उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। अगस्त 2024 में बालको की लिंग परिवर्तन/पुनः निर्धारण सर्जरी नीति के मदद से सुमन ने सर्जरी करवाई। यह एक परिवर्तनकारी क्षण था, पहली बार सुमन को लगा कि वह वास्तव में वही है जो वह है। आत्म-खोज की उसकी यात्रा पूरी हो गई थी। सुमन की कहानी यहीं नहीं रुकी, 2 फरवरी, 2025 को उसकी शादी हो गई। आज, वो बालको में जी4एस के तहत सुरक्षा प्रभारी के रूप में काम करती हैं, जो कंपनी के लिए एक व्यावसायिक भागीदार है।

महिला ड्राइवर सावित्री चौहान की यात्रा बेहद कठिनाई के साथ शुरू हुई। उनकी दुनिया तब बिखर गई जब 7 साल की उम्र में अपने एकमात्र अभिभावक दादी को भी खो दिया। परिवार के समर्थन के बिना बड़े होने की चुनौतियों का सामना करते हुए जीवन एक संघर्ष बन गया। उन्होंने राजपूत ट्रैवल्स के बारे में सुना, जिन्हें महिला ड्राइवरों की तलाश थी। आज, सावित्री बालको के लिए प्लांट के अंदर और बाहर दोनों जगह चार पहिया वाहन चलाती हैं। वह एक जीवंत उदाहरण है कि महिलाएँ उन क्षेत्रों में भी सफल हो सकती हैं, जहाँ पारंपरिक रूप से पुरुषों का वर्चस्व रहा है। सावित्री ने उस मिथक को तोड़ दिया है। उन्होंने दुनिया को दिखाया है कि महिलाएँ भी अच्छी तरह से गाड़ी चला सकती हैं।

बालको सीएसआर लाभार्थी किसान, पद्मा राठिया कंपनी की दूरदर्शी परियोजना, मोर जल मोर माटी का एक अभिन्न अंग बन गई हैं।

पद्मा के लिए यह सिर्फ एक कृषि परियोजना नहीं थी बल्कि उनके समुदाय की महिलाओं के जीवन को बदलने का एक मौका था। दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने उदाहरण पेश करने का बीड़ा उठाया। बंजर भूमि को सब्जियों और मूंगफली के उपजाऊ खेतों में बदलने वाली पद्मा की सफलता सिर्फ उनकी अपनी फसल तक ही सीमित नहीं रही बल्कि उनके गांव में एक क्रांति को जन्म दिया। उनके जुनून और प्रतिबद्धता ने भटगांव की महिलाओं को एकजुट किया है, उन्हें खेती की कला को अपनाने और अपने भविष्य का स्वामित्व लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। पद्मा के प्रयासों ने भटगांव को कोरबा जिले में एक प्रमुख कृषि केंद्र में बदल दिया है।

प्रोजेक्ट पंछी की लाभार्थी सान्या कुमारी खुटे हमेशा से ही मेडिकल क्षेत्र में जाने का सपना देखती थी। नर्सिंग की परीक्षा के बाद उनका चयन हो गया, लेकिन आर्थिक बाधा ने कदम रोक दिये। प्रोजेक्ट पंछी परियोजना सीखने और व्यक्तिगत विकास के लिए एक मंच प्रदान किया। साथ ही वेदांता द्वारा खुद को आत्मनिर्भर बनाए रखने का अवसर भी दिया। प्रोजेक्ट पंछी के माध्यम से उसने खुद को रायगढ़ में अपने जैसी कई लड़कियों के साथ पढ़ते हुए पाया, जो अपने पंख फैलाने के लिए तैयार थीं। उसकी यात्रा ने एक नए सपने को प्रेरित किया है। शिक्षकों से प्रेरित अब वह दूसरों को पढ़ाना चाहती है। सान्या एक रसायन विज्ञान की शिक्षिका बनने की इच्छा रखती है, जो ज्ञान और प्रेरणा को दूसरों तक पहुंचाए।

ममता मिरी बालको में शिफ्ट इंचार्ज के रूप में कार्यरत हैं। पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में पॉटलाइन से काम शुरू किया। पॉटलाइन पारंपरिक रूप से पुरुषों के लिए उपयुक्त माना जाता है। लेकिन ममता ने चुनौती से मुंह नहीं मोड़ा। उन्होंने कड़ी मेहनत पर ध्यान केंद्रित किया और सुनिश्चित किया कि उनके कौशल किसी भी रूढ़िवादिता से ज़्यादा ज़ोरदार है। टीम के समर्थन से ममता ने जल्दी ही अपनी भूमिका को अपनाया और उसमें आगे बढ़ीं। दो साल बाद अब वे शिफ्ट इंचार्ज हैं और उनके अधीन 15 लोग काम करते हैं। वे पॉट की दैनिक कार्यक्षमता सुनिश्चित करने, आने वाली किसी भी समस्या का समाधान और पॉटलाइन के सुचारू संचालन को बनाए रखने की जिम्मेदारी लेती हैं। उनके नेतृत्व और निर्णय लेने के कौशल ने उनकी टीम की सफलता पर सीधा प्रभाव डाला है।

पुष्पांजलि चौहान, सहायक प्रबंधक, सुरक्षा, वेदांता बालको का सपना यही था, वर्दी पहन रक्षा क्षेत्र में अपनी सेवाएं देना। वह राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में शामिल हो गई। फिर एक दिन वेदांता में साक्षात्कार देने का मौका मिला और उन्हें सुरक्षा विभाग में शामिल होने के लिए चुना गया। चंडीगढ़ में पुष्पांजलि का प्रशिक्षण, जिसने उन्हें अपने सपनों को जीने का मौका दिया। जहाँ वे जूनियर सुरक्षा अधिकारी (जेएसओ) बन गईं। अब वो एक गौरवान्वित पेशेवर के साथ 2.5 साल के बेटे की माँ भी हैं। बालको की क्रेच पहल के सहयोग से वो अपने करियर और मातृत्व को सहजता से संतुलित करने में सक्षम हैं।

स्वास्थ से संबंधित पहलुओं पर लोगों को जागरूक किया शिप्रा फाउंडेशन ने

कोरबा। शिप्रा सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन ने फरवरी 2025 में कोरबा जिले में निःशुल्क स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस अभियान के तहत, लोगों को निःशुल्क परामर्श और रक्तचाप (बीपी) जांच की सुविधा दी गई। साथ ही, परिवार नियोजन और कल्याण से जुड़ी निःशुल्क सलाह दी गई। बीपी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत लोगों को उच्च व निम्न रक्तचाप के प्रभाव के बारे में बताया गया, उनकी बीपी जांच की गई और स्वास्थ्यकर्मियों ने उन्हें सही खानपान के बारे में सुझाव दिए। पुरुषों और महिलाओं को परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी तरीकों की जानकारी दी गई। ट्रक चालकों और ऑपरेटरों को एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें यह बताया गया कि यह बीमारी कैसे फैलती है, इसके लक्षण क्या हैं, इससे बचने के उपाय और इलाज की उपलब्ध सुविधाएं कौन-कौन सी हैं। इसके अलावा, जरूरतमंद लोगों की निःशुल्क ब्लड शुगर जांच भी की गई और मधुमेह नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना, पुरुषों और महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और स्वास्थ्य संबंधी पठन सामग्री (आईईसी) व जांच सेवाएं उपलब्ध कराना था। इस कार्यक्रम का लाभ 850 से अधिक लोगों ने उठाया। यह पूरा आयोजन स्वयंसेवकों के सहयोग से सफल हुआ। सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बेल्जियम के शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और शाही परिवार के सदस्यों की स्मृति में आयोजित किया गया।

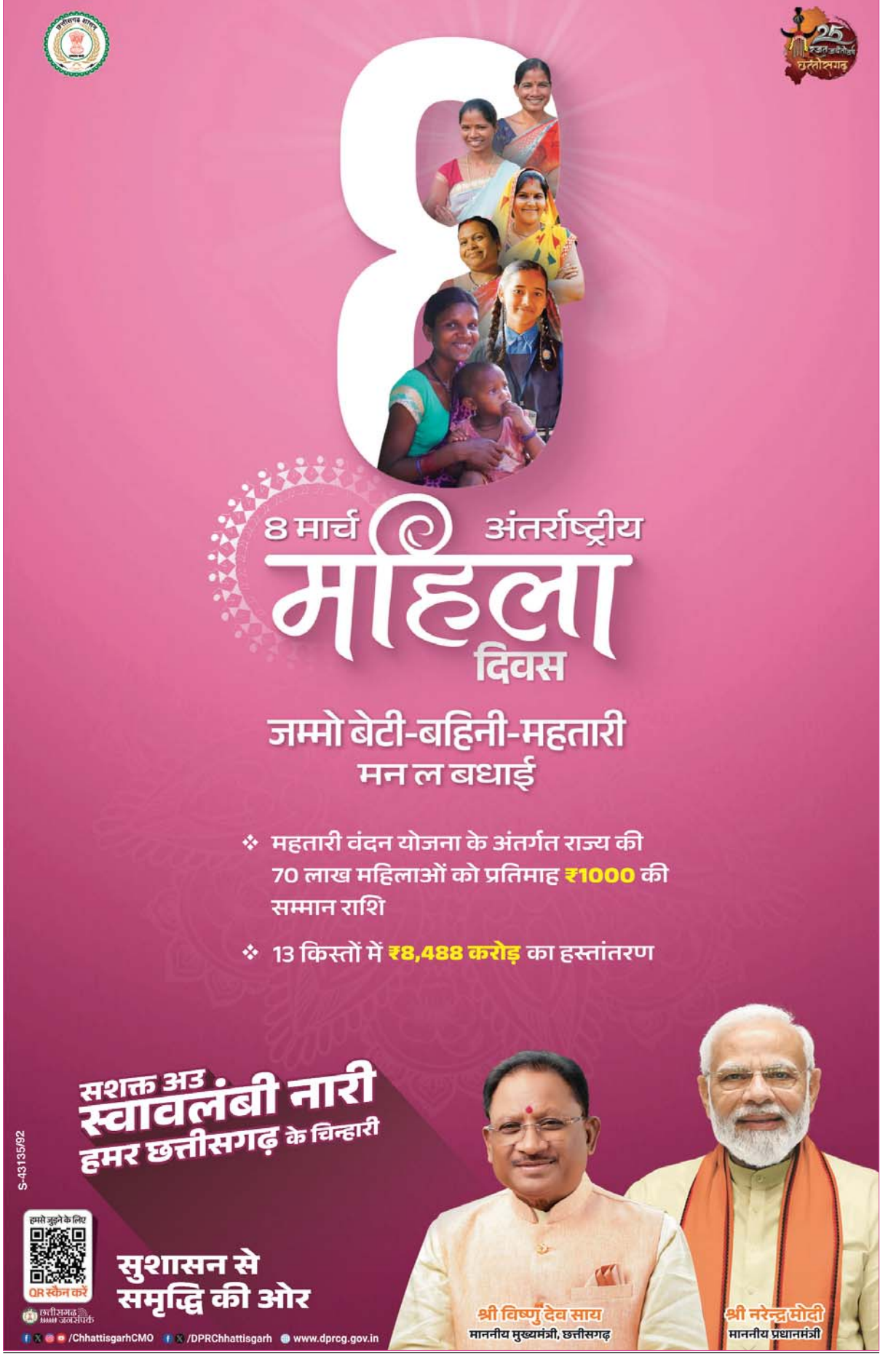

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com